www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
19 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 107 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

मैं जब विधायक बना था तब अमित शाह बच्चे थे

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले-वह हमें देशभक्ति न सिखाएं

पणजी (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि जब मैं पहली बार विधायक बना था, तब अमित शाह बच्चे थे और आज हमें देशभक्ति सिखा रहे हैं। उन्होंने यह बात दक्षिण गोवा में एक जनसभा में कही। वहीं, खड़गे ने कहा, 'बीजेपी धर्म विरोधी हैं, क्योंकि जब मैंने 8 अगस्त को उत्तराखंड में हल्द्वानी के रामलीला मैदान पर सभा की थी तो 2 दिन बाद मंच का शुद्धिकरण किया गया। ऐसा लगा जैसे मुझे अछूत माना गया हो। क्या लोकतंत्र ऐसे चलता है।

खड़गे ने कहा-गद्दारों को वोट मत दीजिए

खड़गे ने कहा, गोवा के 12 मंत्रियों में से 10 पूर्व कांग्रेस नेता हैं, जो पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। गद्दारों को वोट मत दीजिए। अगर आप उन्हें वोट देंगे, तो आप भी गद्दार बन जाएंगे। उन्होंने कहा, बड़े शहरों के अमीर लोग गोवा में जमीन खरीद रहे हैं।

पहाड़ी दरकी, मकान जमींदोज ,तीन जिंदा दफन

मृतकों के परिजनों को तत्काल दी 14 लाख की राहत राशि, अतिवृष्टि प्रभावित महरगांव में जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई,डीएम ने स्वयं 3 किलोमीटर पैदल पहुंचकर संभाली राहत एवं बचाव कार्यों की कमान

सतपुली तहसील के ग्राम मेहरगांव में धराशायी हुआ भवन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बीती रात हुई अतिवृष्टि से तहसील सतपुली के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पन्न आपदा की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए। महरगांव में भूस्खलन से क्षतिग्रस्त दो मंजिला भवन में दबे तीन लोगों को बचाने के लिए प्रशासन, एसडीआरएफ, पुलिस एवं स्थानीय ग्रामीणों के समन्वित प्रयासों से तेजी से रेस्क्यू अभियान चलाया गया। अभियान में मलबे में दबे तीनों व्यक्तियों जिसमें दो वर्षीय मासूम रुद्राक्ष पुत्र नवीन सिंह , धीरेंद्र सिंह पुत्र प्रताप सिंह, उम्र करीब 46 वर्ष और मथुरा देवी पत्नी प्रताप सिंह के शव बरामद कर लिए गए है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया स्वयं करीब 3 किलोमीटर पैदल दुर्गम मार्ग से ग्राम महरगांव पहुंचीं और मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों की कमान संभाली। उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन की लगातार निगरानी करते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं बचाव दलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बताया कि भूस्खलन की घटना में मलबे में दबे तीनों शव बरामद कर लिए गए हैं। घटनास्थल पर जिलाधिकारी ने प्रभावित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और घटना की जानकारी ली। बालक के पिता ने जिलाधिकारी को घटनाक्रम से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने बालक की माता तथा अन्य परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि इस कठिन समय में जिला प्रशासन परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आपदा राहत के अतिरिक्त परिवार को किसी अन्य प्रकार की आवश्यकता होने पर भी हरसंभव सहायता उपलब्ध करायी जाएगी।

जिला प्रशासन द्वारा मृतकों के परिजनों को तत्काल राहत पहुंचाते हुए प्रत्येक मृतक के लिए 4-4 लाख रुपये तथा क्षतिग्रस्त भवन के लिए 2 लाख रुपये सहित कुल 14 लाख रुपये की राहत राशि प्रदान की गई है। सभी शव बरामद होने के बाद पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर एडीएम एफ आर चौहान, उपजिलाधिकारी रेखा आर्य, तहसीलदार लैंसडौन विद्यादत्त सेमवाल, प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवर, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जेल से जल्द अस्पताल शिफ्ट होंगे इमरान खान

पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने शहबाज-मुनीर को दिया बड़ा झटका

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आदेश दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल से अस्पताल ले जाया जाए। इस आदेश के बारे में इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने बताया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह आदेश इमरान खान के परिवार और उनकी पार्टी की बार-बार की गई उन मांगों के बाद आया है

जिनमें उनकी सेहत को लेकर चिंता जताते हुए उन्हें अस्पताल में इलाज दिलाने की बात कही गई थी। उनके बेटों ने पिछले साल उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर कई बार चिंता जताई थी जबकि उनके वकीलों का कहना था कि जेल में रहने के दौरान उनकी दाईं आंख की रोशनी काफी कम हो गई है। आपको बता दें कि 73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद जेल में हैं। उनका कहना है कि 2022 में सत्ता से हटाए जाने के बाद उन पर जो मामले दर्ज किए गए वे राजनीतिक मकसद से प्रेरित थे। सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना के प्रमुख असीम मुनीर के लिए बहुत बड़ा झटका है जो इमरान खान के कट्टर दुश्मन माने जाते हैं।

योगी का ऐलान, पीआरडी जवानों का भत्ता 600 करेंगे

गोरखपुर में कैशलैस योजना शुरू की, 5 लाख तक इलाज फ्री होगा

गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी ने मंगलवार को गोरखपुर में पीआरडी (प्रांतीय रक्षक दल) जवानों के लिए 'मुख्यमंत्री पीआरडी परिवार कल्याण योजना' का शुभारंभ किया। इसमें पीआरडी जवान के परिवार का 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज होगा। योगी ने ऐलान किया कि जल्द ही पीआरडी जवानों का भत्ता रोजाना

600 किया जाएगा। इसकी तैयारी की जा चुकी है। अभी पीआरडी जवानों को 500 रुपए मिलते हैं। प्रदेश में 31 पीआरडी जवान रजिस्टर्ड हैं। इसमें 2 हजार से ज्यादा महिलाएं हैं। सीएम ने पीआरडी जवानों के वर्दी भत्ते के 3000 रुपए उनके खातों में ट्रांसफर किए। इससे पहले लखनऊ में बनने वाले पीआरडी भवन का शिलान्यास किया। 1948 में गठित प्रांतीय रक्षक दल के जवान (स्वयंसेवक) पुलिस के काम में मदद करते हैं। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में योगी ने कहा-पीआरडी जवानों को सुविधा मिली है तो उन्हें और बेहतर ढंग से काम करना होगा।

अमेरिका में भी हो भारत जैसा 'चुनावी' सिस्टम

ट्रम्प बोले,की भारतीय चुनावी सिस्टम की जमकर तारीफ

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को भारत की चुनाव व्यवस्था की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहाकि अब अमरीका में भी भारत जैसे चुनावी सिस्टम की जरूरत है। उन्होंने यहां के चुनावों का हवाला देते हुए 'सेव अमेरिका एक्ट' को पास कराने की अपील की है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा- इस महीने की शुरुआत में, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा था कि अमेरिका में वैध फोटो आईडी के बिना चुनाव कैसे हो सकते हैं। ट्रम्प ने आगे कहा- हमें अब सेव अमेरिका एक्ट पास करना होगा। ट्रम्प ने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को और सख्त बनाने पर जोर दिया। उनका कहना है कि इससे अमेरिकी चुनावों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी।

फांसी की जगह दूसरा तरीका अपनाने की अर्जी खारिज

सुप्रीम फैसला, सजा के दूसरे विकल्पों की जांच का रास्ता खुला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौत की सजा सुनाए जाने के बाद किसी कैदी को किस तरीके से मौत दी जाए, इस पर देश में लंबे समय से बहस चल रही है। क्या फांसी ही सबसे सही तरीका है या ऐसा कोई दूसरा तरीका हो सकता है, जिसमें दर्द और तकलीफ कम हो और आखिरी समय में कैदी की गरिमा भी बनी रहे। इस सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने फांसी को मौत की सजा देने का तरीका खत्म करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। हालांकि कोर्ट ने यह साफ किया कि केंद्र सरकार चाहे तो एक्सपर्ट्स की मदद से दूसरे तरीकों की जांच कर सकती है। अगर भविष्य में मजबूत वैज्ञानिक या मेडिकल सबूत सामने आते हैं, तो इस मुद्दे पर फिर संवैधानिक जांच भी हो सकती है।

कम दर्द देने वाले तरीके अपनाए जाएं

वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा ने 2017 में यह याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया था कि फांसी की प्रक्रिया में 40 मिनट से ज्यादा लग सकते हैं, जबकि गोली मारने में कुछ मिनट और जहरीले इंजेक्शन में करीब 5 मिनट लगने का दावा किया गया। याचिका में बीएनएस की धारा 354(5) को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई थी। इसी धारा के तहत मौत की सजा पाए दोषी को गर्दन से तब तक लटकाया जाता है, जब तक उसकी मौत न हो जाए। याचिकाकर्ता ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 में मिले जीवन और गरिमा के अधिकार के खिलाफ बताया गया। मल्होत्रा ने यह भी कहा था कि मौत की सजा पाए कैदी को फांसी और जहरीले इंजेक्शन में से कोई एक तरीका चुनने का विकल्प मिलना चाहिए।

भविष्य में संवैधानिक समीक्षा का रास्ता खुला

कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका खारिज करने का मतलब यह नहीं है कि भविष्य में संवैधानिक समीक्षा का रास्ता बंद हो गया है। अगर ठोस वैज्ञानिक, मेडिकल या अनुभवजन्य सबूत सामने आते हैं, तो इस मुद्दे की दोबारा जांच की जा सकती है। कोर्ट ने कहा- केंद्र सरकार विशेषज्ञों की समिति बनाकर मौजूदा फांसी की व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर सकती है। समिति यह जांच सकती है कि क्या कोई वैकल्पिक तरीका अनावश्यक पीड़ा कम करने और दोषी की गरिमा बनाए रखने में बेहतर है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भारत में मौत की सजा देने का मौजूदा तरीका नहीं बदला है। लेकिन कोर्ट ने यह संभावना खुली रखी है कि नई वैज्ञानिक या मेडिकल जानकारी मिलने पर फांसी के तरीके की दोबारा संवैधानिक समीक्षा हो सकती है।

गैरकानूनी था 'सीजेपी' का संसद मार्च

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस का हलफनामा कहा-हिस्ट्रीशीटर शामिल हुए,बैरिकेड भी तोड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमीशन नहीं थी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे। पुलिस ने बताया कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा। हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर ये जानकारी दी। इसे पुलिस ज्यादती की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं के जवाब के तौर पर पेश किया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हाई लेवल कमेटी बनाएगा।

सुप्रीम आदेश, हाईलेवल कमेटी करेगी जांच

सुप्रीम कोर्ट ने सीजेपी के नेतृत्व वाले छात्र प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई के आरोपों की जांच के लिए हाईलेवल कमेटी बनाने का फैसला किया है। इसमें सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज, पूर्व डीजीपी, पूर्व सीबीआई प्रमुख समेत अन्य सदस्य होंगे। कोर्ट बुधवार को कमेटी के गठन का औपचारिक आदेश जारी करेगा। इससे पहले याचिकाकर्ताओं और अन्य पक्षों से सदस्यों के नाम पर सुझाव लिए जाएंगे।

पुलिस का हलफनामा बताई प्रदर्शन की हकीकत

20 जुलाई को जंतर-मंतर के आसपास 30 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी मौजूद थे। करीब 3 किलोमीटर के इलाके में फैली इस भीड़ को संभालने के लिए लगभग 5 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। झड़प में 240 से ज्यादा पुलिसकर्मी और करीब 200 प्रदर्शनकारी घायल हुए। याचिकाओं में चुनिंदा फोटो, अधूरे वीडियो और अपुष्ट मीडिया रिपोर्ट्स का इस्तेमाल किया गया। इनमें पुलिस की कार्रवाई का पूरा संदर्भ नहीं दिखता। वीडियो में ऐसी लाठी की सिर्फ एक घटना दिखती है। वह लाठी एक प्रदर्शनकारी के हाथ में थी। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, पुलिसकर्मियों से मारपीट की और उनका सुरक्षा सामान खींचा। इसके बाद हिंसा रोकने के लिए कानूनी तरीके अपनाए गए। बल प्रयोग जरूरी हो गया था। भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठियां मान्य उपकरण हैं।

एमपी के भिंड जिले में ट्रक से टकराई पिकअप, 8 की मौत

23 घायल,ग्वालियर से यूपी लौट रहे थे; हाईवे पर गायों को बचाने में हुआ हादसा

भिंड (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के भिंड में नेशनल हाईवे-719 पर गोहद इलाके में सोमवार देर रात करीब 1 बजे तेज रफ्तार पिकअप सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इससे 8 लोगों की मौत हो गई। 23 घायल हैं। इनमें ट्रक ड्राइवर भी शामिल है। घायल नंदलाल बताया कि पिकअप में कुल 29 मजदूर सवार थे। सभी अलग-अलग गांव के थे। ये लोग ग्वालियर से धान की रोपाई का काम पूरा कर घर लौट रहे थे। पहले चार मजदूरों की मौत और 25 के घायल होने की जानकारी आई थी। हादसे के बाद गोहद चौराहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पांच शव गोहद और तीन शव ग्वालियर में रखे गए हैं। मरने वाले 6 लोगों की पहचान हो गई है, जबकि दो कि पहचान नहीं हो पाई है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने मरने वालों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

गायों को बचाने के दौरान हुआ हादसा

थाना प्रभारी रामनरेश यादव के मुताबिक पिकअप की रफ्तार 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटा होने का अनुमान है। छीमका गांव के पास हाईवे पर कुछ गायें सड़क पर बैठी थीं। अचानक सामने आए मवेशियों को बचाने के प्रयास में ड्राइवर ने पिकअप मोड़ी और सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मजदूरों को गंभीर चोटें आईं। पुलिस और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को वाहन से बाहर निकालने में मदद की। थाना प्रभारी रामनरेश यादव ने बताया कि पिकअप में सवार मजदूर ग्वालियर क्षेत्र में धान की रोपाई के लिए आए थे।

मृतकों में एक ही गांव के 4 लोग

मृतकों में थाना मोहम्मदी के गांव बेला तरसिया के रहने वाले उपदेश पुत्र मोहन, अमर सिंह पुत्र वंशीधर, सुखदेव पुत्र कंचन, रजनीश पुत्र कंचनलाल पासी व किशनपुर गांव के गुड्डू पुत्र प्रहलाद पासी, पसगवां के रहने वाले अजीत, हरना निउली के सुभाष पुत्र कमलेश शामिल हैं। हादसे में जान गंवाने वाले किशनपुर गांव के गुड्डू की पत्नी माया देवी का रो रोकर बुरा हाल है। माया देवी ने बताया कि 15 दिन पहले पति मजदूरी करने पास के ठेकेदार के साथ गए थे। 4 दिन पहले ही उनसे आखिरी बार फोन पर बात हुई थी। इस दौरान उन्होंने घर का हालचाल पूछा था और खेतों में खाद डालने की बात भी कही थी। इसके बाद उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका। आज ये मनहूस खबर आई है। हम लोग इसी साल बेटी की शादी की तैयारी कर रहे थे। उसके लिए लड़का देखा जा रहा था।

हर छात्र के साथ खड़े हैं बदलकर रहेंगे वसूली तंत्र!

झारखंड के छात्र मुद्दे पर राहुल गांधी का बड़ा बयान

रांची (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने झारखंड में छात्र आंदोलन के मुद्दे पर बड़ी बात कही। राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड के छात्रों और राज्य सरकार के बीच सहमति बनी, और छात्रों ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त की , यह खबर सुनकर बहुत खुशी हुई। राहुल गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना और समाधान निकाला। छात्रों ने संयम रखा और अपनी बात मनवाई। उन्होंने कहा कि यही सही तरीका है। छात्र सवाल पूछें, तो जवाब मिलना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि वो देश के हर छात्र के साथ खड़े हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी रिपोर्ट में चंपत-मिश्रा का नाम नहीं

बाकी 8 आरोपी पहले ही जेल में,एसआईटी ने फाइनल जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के लिए यूपी सरकार की बनाई एसआईटी ने सोमवार रात फाइनल रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा का नाम नहीं है। बाकी 8 आरोपी पहले ही जेल में हैं। यूपी के गृह विभाग ने रिपोर्ट राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास को सौंपी है। इसे राम मंदिर ट्रस्ट की 2 सितंबर को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने ही उत्तर प्रदेश सरकार से चढ़ावा चोरी की एसआईटी जांच का अनुरोध किया था। यूपी सरकार ने 13 जून को लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में 3 सदस्यों की एसआईटी बनाई थी।

23 जून को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी थी, 2 दिन बाद 8 की गिरफ्तारी

चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार की एसआईटी ने 23 जून को एडीशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई। इसमें रामशंकर यादव समेत 8 को नामजद किया गया। हालांकि, इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं थे।

अब तक 35 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने पोर्टल पर अपलोड किए निबंध

11-12 के विद्यार्थियों ने 8 विषयों पर किया फोकस

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आह्वान पर ''सीएम विद्यार्थी मंथन डॉट कॉम'' पोर्टल पर अभी तक 35 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने अपने निबंध लिख कर अपलोड कर दिए है। जानकारी के मुताबिक निबंध प्रविष्टि अपलोड करते ही विद्यार्थी को प्रमाण पत्र भी मिल रहा है, जिससे उनमें इस अभियान में शामिल होने का जोश जुनून बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि पिछली 10 अगस्त को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 11-12वीं के करीब तीन लाख विद्यार्थियों के साथ ऑनलाइन मंथन करते हुए उन्हें राज्य के विकास में अपने विजन को एक निबंध के रूप में ऑनलाइन भेजने का आह्वान किया था। सीएम धामी ने युवा विद्यार्थियों से पर्यटन, रोजगार, सामाजिक विकास, वन पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीकी आदि विषयों पर अपने विचार साझा करने को ''मेरे

सपनों का उत्तराखंड'' अभियान में शामिल होने की बात करते हुए कहा था कि ऐसे विचारों का अवलोकन करते हुए उन्हें राज्य की पॉलिसी में शामिल किया जाएगा। स्मरण रहे कि सीएम धामी ने 140 श्रेष्ठ विचार लिखने वाले युवा विद्यार्थियों के साथ अपने शासन के सचिवों के साथ विचार विमर्श करने और स्वयं के साथ भी अनुभव साझा करने की बात कही थी। धामी सरकार ने ऐसे श्रेष्ठ विद्यार्थियों को उनके कैरियर में, परीक्षा तैयारियों में स्कॉलरशिप देने की भी घोषणा की हैं। साथ ही अन्य पुरस्कार भी अपनी ओर से दिए जाने की बात कही थी। जिसके उपरांत इस अभियान में पूरे राज्य से ऑनलाइन प्रविष्टियां आने लगी है, जिसकी संख्या 35 हजार से अधिक हो चुकी है। इस अभियान के संयोजक डॉ. राहुल अग्रवाल ने बताया कि ऐसा अभियान देश में पहली बार हो रहा है, जिसमें जेन जी और अल्फा दोनों जेनरेशन हिस्सा ले रही है। बताया कि इस अभियान को सरकारी और निजी स्कूलों के विद्यार्थियों का समर्थन मिल रहा है और हर मिनट में राज्य के किसी न किसी कोने से निबंध पोर्टल पर अपलोड किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि 24 अगस्त तक निबंध को पोर्टल पर अपलोड करने की अंतिम तिथि है। जानकारी के मुताबिक सीएम पुष्कर सिंह धामी भी स्वयं इस अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे है और प्रतिदिन इसकी समीक्षा कर रहे है जो ये दर्शाता है कि सीएम धामी ने इस विजन निबंध अभियान को कितनी अहमियत दी है।

तुंगनाथ-चंद्रशिला में पर्यटक की तबीयत बिगड़ी

ऊखीमठ। तुंगनाथ-चंद्रशिला क्षेत्र स्थित एक होटल में बुधवार को एक व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ने से वह बेहोश हो गया। सूचना मिलते ही डीडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और व्यक्ति को प्राथमिक सहायता देते हुए सुरक्षित नीचे पहुंचाया। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि चमोली के दिनेश सिंह (45) की होटल में अचानक तबीयत बिगड़ गई। होटल स्वामी से सूचना मिलने पर डीडीआरएफ टीम तुंगनाथ पहुंची। टीम को मौके पर व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला। उसे ऑक्सीजन देने के बाद स्ट्रेचर की मदद से स्थानीय लोगों के सहयोग से चोपता लाया गया। इसके बाद स्थानीय वाहन से उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ भेजा गया।

प्रदेश में 1 सितम्बर से 30 अक्टूबर तक होगा खेल महाकुम्भ-2026 का आयोजन

निदेशक, युवा कल्याण द्वारा जारी की गई विस्तृत कार्य योजना

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में ह्खेल महाकुम्भ- 2026 मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफीह्व के अन्तर्गत प्रतियोगिताओं के आयोजन की रूपरेखा निर्धारित की गई है। खेल महाकुम्भ का आयोजन न्याय पंचायत, विधानसभा क्षेत्र, संसदीय क्षेत्र एवं राज्य स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि खेल महाकुम्भ के आयोजन का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना, ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना तथा खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान करना है।

न्याय पंचायत स्तर की स्थानीय जनप्रतिनिधि खेलकूद प्रतियोगिताएं 01 से 10 सितम्बर 2026 तक, विधानसभा स्तर की विधायक चैम्पियनशिप ट्रॉफी प्रतियोगिताएं 11 से 20 सितम्बर 2026 तक, संसदीय क्षेत्र स्तर की सांसद चैम्पियनशिप ट्रॉफी प्रतियोगिताएं 21 से 30 सितम्बर 2026 तथा तथा राज्य स्तर की मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी प्रतियोगिताएं 10 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2026 तक आयोजित की जाएंगी। न्याय पंचायत स्तर पर अण्डर-14 एवं 19 बालक-बालिका वर्ग में कबड्डी, एथलेटिक्स, खो-खो एवं मुर्गा झपट जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। विधानसभा स्तर पर वॉलीबाल एवं पिट्ठू सीधे तथा न्याय पंचायत स्तर से चयन के आधार की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। संसदीय क्षेत्र स्तर पर मलखम्ब, रस्साकसी, गोली (कंचा), फुटबाल एवं बैडमिंटन सीधे तथा विधान सभा स्तर से चयन के आधार की विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। राज्य स्तर पर जूडो, बॉक्सिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, कराटे, बास्केटबाल, हॉकी, हैण्डबाल, योगासन, तैराकी, तीरंदाजी, फैन्सिंग, कुश्ती, पेंचक सिलाट, पावर लिफ्टिंग, वेट लिफ्टिंग, बेसबाल एवं लॉन टेनिस सीधे तथा विधानसभा स्तर से चयन के आधार की अनेक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। महिला ओपन वर्ग तथा दिव्यांगजन महिला-पुरुष ओपन वर्ग के लिए भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं निर्धारित की गई हैं। इस संबंध में निदेशक, युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल, उत्तराखण्ड दीप्ति सिंह द्वारा विस्तृत कार्य योजना जारी की गई है।

एक नजर

सर्वे ऑफ इंडिया की दीवार गिरी

देहरादून। सर्वे ऑफ इंडिया की दीवार गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक पासपोर्ट बनवाने के लिए वहां आया था। वह चाय के ठेले के पास बैठकर इंतजार कर रहा था। जानकारी के अनुसार, विजय कॉलोनी, कोतवाली नगर देहरादून निवासी 53 वर्षीय विनोद पुत्र प्यारेलाल की सेंट्रियो मॉल के सामने सर्वे ऑफ इंडिया की दीवार के पास चाय की ठेली लगी हुई थी। इसी दौरान वहां सचिन(26) पुत्र बलबीर सिंह निवासी ग्राम रतौली, पोस्ट खंडोगी, जिला टिहरी गढ़वाल बैठा हुआ था। सचिन पासपोर्ट बनवाने के लिए आया था और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी बीच अचानक सर्वे ऑफ इंडिया की दीवार भरभराकर गिर गई और सचिन मलबे के नीचे दब गया। हादसे में उसका बायां पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

खेल महाकुंभ—2026 के आयोजन की तैयारियां तेज

देहरादून। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत आयोजित होने वाले ह्खेल महाकुंभ-2026 मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी की रूपरेखा निर्धारित कर दी है। खेल महाकुंभ का आयोजन न्याय पंचायत, विधानसभा क्षेत्र, संसदीय क्षेत्र और राज्य स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से किया जाएगा। न्याय पंचायत स्तर की स्थानीय जनप्रतिनिधि खेलकूद प्रतियोगिताएं 1 से 10 सितंबर 2026 तक आयोजित होंगी। इसके बाद 11 से 20 सितंबर तक विधानसभा स्तर पर विधायक चैम्पियनशिप ट्रॉफी प्रतियोगिताएं तथा 21 से 30 सितंबर तक संसदीय क्षेत्र स्तर पर सांसद चैम्पियनशिप ट्रॉफी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। राज्य स्तर की मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी प्रतियोगिताएं 10 सितम्बर से 30 अक्तूबर 2026 तक होंगी। न्याय पंचायत स्तर पर अंडर-14 और अंडर-19 बालक-बालिका वर्ग में कबड्डी, एथलेटिक्स, खो-खो और मुर्गा झपट जैसी प्रतियोगिताएं होंगी। विधानसभा स्तर पर वॉलीबाल और पिट्ठू की प्रतियोगिताएं सीधे आयोजित की जाएंगी, जबकि कुछ प्रतियोगिताओं में न्याय पंचायत स्तर से चयनित खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे।

सीमा विवाद सुलझाने जुटेंगे भारत—नेपाल के शीर्ष अधिकारी

देहरादून। भारत और नेपाल के शीर्ष अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक देहरादून में आयोजित होगी। 19 और 20 अगस्त को होने वाली इस दो दिवसीय बैठक में दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और भारत-चीन के बीच लिपुलेख दर्रे के जरिए होने वाले व्यापार पर नेपाल के दृष्टिकोण पर बातचीत हो सकती है। बैठक में हिस्सा लेने के लिए गृह मंत्रालय के अधिकारियों का एक दल आज देहरादून पहुंच रहा है। इस दल में विदेश सेवा से जुड़े कुछ अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। इसी तरह नेपाली अधिकारियों का एक प्रतिनिधि मंडल भी वार्ता के लिए देहरादून पहुंच रहा है। बैठक में दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण मुद्दों का समाधान तलाशने और आपसी विश्वास बहाली के उपाय खोजे जाएंगे।

दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों की यह बैठक ऐसे माहौल में हो रही है जब भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ नेपाल की तीन दिवसीय (17-19 अगस्त) यात्रा पर हैं। इस यात्रा में वह दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए नेपाली सैन्य अधिकारियों से बातचीत करेंगे। वह भारत-नेपाल के पुराने सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूती देने के उपायों पर भी बातचीत करेंगे। इसके पूर्व 14 अगस्त को दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों ने लखनऊ में एक बैठक कर सीमा संबंधी विवादों को निपटाने के लिए आधुनिक तकनीक को अपनाने पर सहमति जताई थी। दोनों देशों के बीच बहने वाली नदियों के मार्गों में प्राकृतिक बदलाव के कारण कई बार सीमा को लेकर असहमति सामने आती रही है। दोनों देशों ने माना है कि आधुनिक तकनीक अपनाकर इस तरह के विवादों को कम किया जा सकता है।

जनपदों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए हर माह होगी समन्वय बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने जनपदों की विभिन्न समस्याओं के त्वरित निस्तारण तथा शासन एवं जनपद स्तर के अधिकारियों के मध्य बेहतर समन्वय के लिए प्रत्येक माह के पहले मंगलवार को समन्वय बैठक आयोजित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

इस समन्वय बैठक में जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों से सम्बन्धित ऐसी समस्याओं एवं प्रकरणों को सम्बन्धित विभागों के समक्ष रख सकेंगे, जिनके निस्तारण के लिए शासन स्तर पर विभागीय समन्वय अथवा निर्णय की आवश्यकता है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जनपदों द्वारा चिन्हित समस्याओं एवं प्रकरणों को सम्बन्धित विभागों को बैठक से पूर्व उपलब्ध कराया जाए, ताकि संबंधित विभाग आवश्यक जानकारी एवं कार्यवाही के साथ बैठक में उपस्थित रहें। प्रत्येक माह के पहले मंगलवार को आयोजित होने वाली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समन्वय बैठक में इन प्रकरणों पर सम्बन्धित जनपद एवं विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए यथासंभव मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि इस व्यवस्था का उद्देश्य जनपद स्तर पर

आने वाली समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब को दूर करना तथा शासन और जिलों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने सभी सचिवगणों को निर्देश दिए कि जनपदों से प्राप्त प्रकरणों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन से जुड़े विषयों का शीघ्र समाधान हो सके। इस अवसर पर प्रमुख सचिव एल. फैनई, विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, सचिव शैलेश बगौली, नितेश कुमार झा, दिलीप जावलकर, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, चंद्रेश कुमार यादव, डॉ. वी. षणमुगम, डॉ. आर. राजेश कुमार, विनोद कुमार सुमन, सुश्री ज्योति यादव, रणवीर सिंह चौहान, धीराज सिंह गर्ब्याल, राजेंद्र कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

टिहरी में 2 बच्चों की मां देवर संग फरार

टिहरी गढ़वाल। टिहरी जिले के घनसाली क्षेत्र की हिंदाव पट्टी के चांदी गांव से देवर-भाभी के रिश्ते को लेकर एक मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक अपनी भाभी और उसके दो बच्चों को लेकर घर से चला गया। घटना के बाद दोनों परिवारों में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार चांदी गांव निवासी युवक की पत्नी सीता देवी ने आरोप लगाया है कि उसके पति और गांव की एक महिला, जो उसकी भाभी बताई जा रही है, के बीच पिछले कुछ महीनों से बातचीत चल रही थी। महिला का आरोप है कि दोनों अलग-अलग स्थानों पर साथ घूमते भी थे।सीता देवी के मुताबिक, जब उसने अपने पति की इस कथित हरकत का विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि पति ने उसे दूसरी जगह शादी करने तक की बात कही। पीड़िता का कहना है कि उसके पति ने उसके साथ प्रेम विवाह किया था, लेकिन अब वह उसे छोड़कर दूसरी महिला के साथ चला गया है।

परिजनों के अनुसार युवक कुछ समय से नासिक में नौकरी करता था। बताया जा रहा है कि संबंधित महिला ने करीब तीन महीने पहले उसे गांव वापस बुलाया था। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने का आरोप है।सीता देवी ने यह भी दावा किया कि उसे अपने पति के किसी अन्य महिला के साथ वीडियो कॉल पर बातचीत करने की जानकारी मिली थी। इसके बाद उसने मामले का विरोध किया। अब आरोप है कि युवक उसी महिला और उसके दो बच्चों को लेकर घर से फरार हो गया है।

27 किलो गांजे के साथ युवक पुलिस गिरफ्त में

रामनगर। सराईखेत से गांजा लेकर आ रहे आरोपी को पुलिस ने कार के साथ आमडंडा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 27 किलो गांजा बरामद हुआ है।

कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आमडंडा क्षेत्र से पूछड़ी नई बस्ती निवासी सागर सिंह रावत को 27 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी ने बताया कि वह शुक्रवार को सराईखेत के लिए अपनी कार से टूरिस्ट बनकर सराईखेत घूमने के बहाने गया था। सोमवार को उसने सराईखेत में जगत सिंह नाम के व्यक्ति से 70 हजार रुपये में गांजा खरीदा। इसे वह गुलरघट्टी निवासी आशू खान और कुंडेश्वरी निवासी बबलू को 7 लाख रुपयों में बेचने की फिराक में था। चारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सागर सिंह से पूछताछ कर तस्करी के साक्ष्य खंगाले जा रहे हैं।

30 मीटर नीचे खाई में पलटा बोलेरो कैंपर, नौ घायल

चकराता, चकराता क्षेत्र में मंगलवार को एक बोलेरो कैंपर अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 30 मीटर नीचे खाई में जा पलटा। हादसे में वाहन सवार नौ लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। दुर्घटना में किसी की मृत्यु नहीं हुई। जानकारी के अनुसार सप्लाई तिराहे के पास बाल्मिकी बस्ती में बोलेरो कैंपर संख्या वड15ळअ-0371 अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे जा गिरा। सूचना मिलते ही कोतवाली चकराता पुलिस, एसडीआरएफ टीम और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर वाहन सवार घायलों को बाहर निकाला।

सभी घायलों को 108 एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चकराता पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

पुलिस के अनुसार वाहन को ग्राम कुनावा निवासी अमित चौहान (28) पुत्र रूप चंद चला रहे थे। बोलेरो कैंपर ग्राम कुनावा से विकासनगर की ओर जा रहा था। सप्लाई तिराहे के पास वाहन अनियंत्रित होने के बाद सड़क से नीचे जा गिरा।

हादसे में शेर सिंह (78), अमित चौहान (28), राम सिंह (40), अनिल तोमर (35), कलमू (65), संगतराम (13), शीला (32), शिवाश (3) और संतोष (9) घायल हुए हैं। सभी घायल चकराता तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

पीपलकोटी टीएचडीसी हादसे पर यूकेडी ने उठाए गंभीर सवाल

चमोली। पीपलकोटी स्थित टीएचडीसी की पीपलकोटीझसियासैंण परियोजना में 13 अगस्त को हुए हादसे को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने टीएचडीसी और जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यूकेडी के प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना स्थल पर पहुंचकर हादसे की परिस्थितियों, श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था और परियोजना में लागू सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी मांगी। दल ने स्पष्ट किया कि विकास परियोजनाओं के नाम पर श्रमिकों और स्थानीय ग्रामीणों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यूकेडी प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना स्थल पर पहुंचकर टीएचडीसी अधिकारियों के समक्ष हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवाल रखे। विरोध के दौरान टीएचडीसी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अजय वर्मा भी मौके पर पहुंचे और प्रतिनिधिमंडल की मांगों एवं सवालों को सुना।

टनल में मौजूद श्रमिकों का रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की मांग

यूकेडी ने हादसे के समय टनल के अंदर मौजूद श्रमिकों की वास्तविक संख्या को लेकर सवाल उठाया। दल ने मांग की कि घटना के समय टनल के अंदर कितने कर्मचारी और श्रमिक मौजूद थे, कितने लोग किस समय टनल में दाखिल हुए और कौन-कौन बाहर निकला, इसका पूरा रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाए।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी भीषण आग

पिथौरागढ़। नगर के बीचोबीच नगर निगम और वन विभाग की कॉलोनी के पास एक मकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। दमकल विभाग के पहुंचने से पहले की चार कमरों का मकान जलकर खाक हो गया। टीम ने बमुश्किल आग बुझाकर इसे आसपास के घरों में फैलने से रोका इससे बड़ी घटना होने से बच गई। इस घटना में पांच लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान है। वन विभाग कॉलोनी के पास मंगलवार तड़के तीन बजे के करीब अचानक शॉर्ट सर्किट से आशा चौहान के लकड़ी के मकान में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने तीसरी मंजिल पर बने चारों कमरों को अपने आगोश में ले लिया। जब जलकर मकान की छत गिरी तो निचले तल में सो रही आशा और उनके पति को घटना का पता चला। आग की भीषण लपटें देख आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग को सूचना दी गई। विभाग ने मौके पर पहुंचकर एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटनास्थल के आसपास कई मकान हैं। दमकल विभाग ने समय रहते आग बुझाकर इसे आसपास के मकानों में फैलने से रोका।

आदि कैलाश यात्रा मार्ग बंद, व्यास घाटी का कटा संपर्क

पिथौरागढ़। जिले में मानसूनी बारिश ने आफत फैलाई है। बारिश के बाद चीन सीमा को जोड़ने वाले धारचूला-तवाघाट, सोबला-दर-तिदांग और थल-मुनस्यारी हाईवे मलबा और बोल्डर गिरने से आठ घंटे तक बंद रहे। आदि कैलाश, मानसरोवर के साथ ही चीन सीमा को जोड़ने वाला तवाघाट-गुंजी मार्ग पर आवाजाही शुरू नहीं हो सकी है। ऐसे में व्यास घाटी के गुंजी, छियालेख, नजंग, बूंदी, गबांग आदि गांवों का संपर्क पूरी तरह कटा है। वहीं 23 ग्रामीण सड़कों पर भी आवाजाही ठप होने से बड़ी आबादी दुश्वारियां झेलने के लिए मजबूर है।

धारचूला-तवाघाट और सोबला-दर-तिदांग हाईवे पर आवाजाही शुरू होने से दारमा घाटी के लोगों को राहत मिली। तवाघाट-गुंजी सड़क मलघाट, कूलागाड़ में भारी मात्रा में

बोल्डर गिरने से बंद है इससे दोनों तरफ सैकड़ों वाहन और यात्री फंसे हैं। व्यास घाटी में आयोजित होने वाले मेले में जाने वाले लोग सड़क खुलने का इंतजार कर रहे हैं। सबसे अधिक दिक्कत ग्रामीण सड़कों के बंद होने से हो रही है।

जिले में 23 ग्रामीण सड़कों पर आवाजाही ठप है इससे 25 हजार से अधिक की आबादी को खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। होकरा-नामिक सड़क के बंद होने से क्षेत्र के गांवों में राशन, फल, सब्जी सहित अन्य सामान की आपूर्ति नहीं हो रही है। नामिक के प्रधान सुरेश राम ने बताया कि स्थानीय दुकानों में सामान खत्म हो गया है। ऐसे में ग्रामीण पैदल सफर कर नाचनी बाजार पहुंच रहे हैं और पीठ पर सामान ढोकर घर पहुंचाने के लिए मजबूर हैं।

उन्होंने बताया कि बीते सोमवार गांव की दुर्गा देवी की तबीयत बिगड़ गई थी। सड़क बंद होने से उन्हें हाथ पकड़कर कुणा रौली नाला पार कराया। तब जाकर उन्हें तीन किलोमीटर पैदल चलकर अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि जल्द सड़क नहीं खुली तो दिक्कत और बढ़ेगी।

नापड़ के प्रधान दीपक चुफाल ने बताया कि नामिक, नापड़ सहित आसपास के गांवों में कई गर्भवतियों के अल्ट्रासाउंड होने हैं। सड़क बंद होने से वे जांच के लिए अस्पताल नहीं जा पा रही हैं। आपदाकाल से पहले बंद सड़कों को जल्द खोलने के दावे किए गए थे जो हवाई साबित हुए हैं।

खेतों में सड़ रही है सब्जी

बंगापानी में आलम-दारमा और मवानी दवानी-मदरमा सड़क बंद होने से ग्रामीण गांवों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। मदरमा के दुर्गा सिंह, दारमा के चंद्र सिंह धामी, चंचल सिंह धामी ने बताया कि बैंगन, शिमला मिर्च की पैदावार खूब हुई है। सड़क बंद होने से इन सब्जियों को बंगापानी, मदकोट बाजार नहीं पहुंचा पा रहे हैं और ये खेतों में सड़ रही है। सभी ग्रामीणों को इसका नुकसान झेलना पड़ रहा है। मदरमा की प्रधान भावना देवी ने जल्द सड़कों को खोलने की मांग की है।

घंटों बंद रहा हाईवे, मलबे और बोल्डर से थमा यातायात

कोटद्वार दुगड्डा के मध्य मलबा हटाती जेसीबी मशीन

कोटद्वार-सतपुली के बीच जगह-जगह बाधित हुआ राष्ट्रीय राजमार्ग, यात्रियों को झेलनी पड़ी परेशानी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पहाड़ और मैदान में लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा ने राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति बिगाड़ दी है। सोमवार देर रात से ही कोटद्वार-दुगड्डा और गुमखाल-सतपुली के बीच जगह-जगह मलबा और बोल्डर आने से यातायात बाधित होता रहा। कई स्थानों पर घंटों हाईवे बंद रहा, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मार्ग खोलने के लिए जेसीबी और पोकलैंड मशीनों को लगातार काम पर लगाया गया, लेकिन मलबा हटते ही दोबारा पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने से परेशानी बनी रही।

लगातार बारिश के चलते कोटद्वार से पहाड़ को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग सबसे अधिक प्रभावित रहा। कोटद्वार से करीब सात किलोमीटर आगे स्थित बरसाती रपटा भी उफान पर आ गया। इससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने कोटद्वार से पहाड़ की ओर जाने वाले वाहनों को सिद्धबली के समीप रोक दिया, जबकि पहाड़ से मैदान की ओर आने वाले वाहनों को दुगड्डा चेक पोस्ट पर रोकना पड़ा। पुलिस लगातार लोगों से मौसम खराब होने की स्थिति में अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील करती रही।

गुमखाल-सतपुली में भी बार-बार बंद होता रहा मार्ग

गुमखाल-सतपुली के बीच भी बारिश ने राष्ट्रीय राजमार्ग की मुश्किलें बढ़ा दीं। इस हिस्से में चल रहे हाईवे चौड़ीकरण कार्य के कारण बारिश के दौरान पहाड़ी से मलबा और बोल्डर सड़क पर आने का खतरा बढ़ गया है। सोमवार देर रात कई स्थानों पर मलबा आने से यातायात बाधित हुआ।

मौके पर तैनात जेसीबी और पोकलैंड मशीनों से मलबा हटाकर मार्ग खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन कुछ समय बाद फिर मलबा आने से हाईवे बंद हो गया। इसके चलते वाहनों को गुमखाल और सतपुली में ही रोकना पड़ा।

प्रधान निधि की व्यवस्था बनाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार :ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को गति देने के लिए रिखणीखाल ब्लाक के ग्राम प्रधान संगठन ने विधायक और सांसद निधि की तर्ज पर प्रधान निधि की व्यवस्था करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्रों में आकस्मिक आपदा और आगजनी जैसी घटनाओं के दौरान तत्काल राहत कार्य कराने के लिए ग्राम प्रधानों के पास पर्याप्त संसाधन होने चाहिए। प्रधान संगठन की अध्यक्ष अरुणा रानी रावत के नेतृत्व में प्रधानों ने खंड विकास अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि जिस प्रकार विधायक और सांसदों को विकास कार्यों के लिए निधि उपलब्ध कराई जाती है, उसी तर्ज पर ग्राम प्रधानों के लिए भी निधि की व्यवस्था की जानी चाहिए। इससे ग्राम पंचायत स्तर पर जरूरत के अनुसार विकास और राहत कार्य तत्काल कराए जा सकेंगे। प्रधान संगठन ने ग्राम प्रधानों को न्यूनतम 20 हजार रुपये मासिक मानदेय दिए जाने की मांग की। इसके अलावा वीबीजी रामजी योजना में श्रमिकों की उपस्थिति आफलाइन दर्ज करने, ग्राम पंचायतों को मिलने वाली राज्य वित्त और केंद्रीय वित्त की धनराशि जनसंख्या एवं भौगोलिक क्षेत्रफल के आधार पर बढ़ाने की मांग की गई। ज्ञापन में जिला योजना के तहत स्वीकृत होने वाले विकास कार्यों के प्रस्ताव ग्राम पंचायतों की खुली बैठक में अनिवार्य रूप से पारित कराने, पंचायती राज एक्ट में शामिल सभी 29 विभागों को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करने की मांग भी उठाई गई। प्रधानों ने कहा कि ग्राम पंचायतों में विभिन्न विभागों के माध्यम से स्वीकृत 10 लाख रुपये तक के कार्यों के लिए ग्राम पंचायत को ही कार्यदायी संस्था बनाया जाना चाहिए। साथ ही पंचायतों को टैक्स के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने की अनुमति देने की मांग भी की गई। प्रधान संगठन ने कहा कि इन मांगों पर सरकार गंभीरता से विचार करे, ताकि ग्राम पंचायतों को अधिक अधिकार और संसाधन मिल सकें और पहाड़ी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी जा सके।

संक्षिप्त समाचार

जलभराव की समस्या हल नहीं हुई तो करेंगे आंदोलन

उत्तरकाशी। वार्ड नंबर आठ जोशियाड़ा के लोगों ने जिला प्रशासन से जल्द बरसात में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए ठोस इंतजाम करने की मांग की है। लंबे समय से प्रशासन और विभागीय अधिकारी वहां पर मात्र निरीक्षण कर जिम्मेदारियों से बच रहे है। लोगों ने पांच दिन में समस्या हल नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

वार्ड नंबर आठ जोशियाड़ा के आशीष नेगी, किशन भंडारी, अवतार परमार, बृजपाल सरवाल, खुशपाल भंडारी आदि लोगों ने मंगलवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से कालेश्वर मंदिर मार्ग पर होने वाले जलभराव को रोकने के लिए निम रोड से पानी का डायवर्जन सहित नालियों के निर्माण किया जाए। हर वर्ष सिंचाई सहित नगर पालिका और प्रशासन के अधिकारी निरीक्षण करते हैं लेकिन जलभराव की समस्या से अभी तक निजात नहीं मिल पाई है। नगरवासियों ने इन समस्याओं के साथ ही मनेरा बाईपास पर हो रहे भूस्खलन जोन का ट्रीटमेंट सहित वहां पर आवाजाही को सुरक्षित करने की मांग की है।

ढाटमीर में देवगौती व ध्याणी मिलन में उमड़ी भीड़

पुरोला। मोरी विकासखंड की सुदूरवर्ती बड़ासु पट्टी के ढाटमीर गांव में देवगौती एवं ध्याणी मैती मिलन मेला आस्था और पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मेले में क्षेत्र के देवी–देवताओं की पूजा–अर्चना की। मेले के दौरान मोडेका मात्री देवी मंदिर में विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना कर कलश स्थापना की गई। श्रद्धालुओं ने सोमेश्वर महाराज मंदिर में पूजा–अर्चना करने के बाद माडेक मात्री देवी मंदिर में कलश स्थापित कर क्षेत्र के देवी–देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह के मुख्य अतिथि पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल ने सोमेश्वर महाराज एवं मात्री देवियों की पूजा–अर्चना की। उन्होंने ध्याणियों और क्षेत्रवासियों से देवी–देवताओं, मेलों–त्योहारों, लोक संस्कृति, परंपराओं और मैती प्रथा के संरक्षण एवं संवर्धन का आह्वान किया। साथ ही महिला समूहों, ध्याणियों एवं ग्राम प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। गांवों को नशामुक्त बनाने और युवा पीढ़ी को नशे से बचाने का संकल्प लेने को प्रेरित किया। इस अवसर पर राजीव कुंवर, सुमन रावत, चमन रावत, ग्राम प्रधान हरि रावत मौजूद रहे।

बैराज के लिए भूमि तो ले ली, मुआवजा नहीं मिला

पुरोला। मोरी सतलुज जल विद्युत परियोजना के नैटवाड़ स्थित बैराज निर्माण में अधिग्रहित भूमि के मुआवजे सहित विभिन्न लंबित मांगों के समाधान को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार से दोबारा धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया। परियोजना प्रबंधन और प्रशासन के आश्वासनों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होने पर ग्रामीणों ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए नारेबाजी की।करीब एक माह पूर्व बैराज निर्माण में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा सहित अन्य मांग को लेकर नैटवाड़ और गैंचवाण गांव के प्रभावित परिवारों ने बैराज स्थल पर धरना दिया था। ग्रामीण खेती की सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक कार्य, चरान–चुगान पर लगाए गए प्रतिबंध हटाने और बैराज से टौंस नदी पार स्थित कृषि भूमि तक पुल संपर्क उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। उस समय परियोजना प्रबंधन और प्रशासन ने शीघ्र समाधान का आश्वासन देकर धरना स्थगित करा दिया था लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने पर ग्रामीणों ने फिर से धरना शुरू किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि मोरी में टौंस नदी पर बनी सतलुज जल विद्युत परियोजना के बैराज निर्माण के लिए नैटवाड़ के काश्तकारों की लगभग 27 हेक्टेयर कृषि भूमि अधिग्रहित की गई।

आराकोट–बंगाण में फल मंडी की उम्मीद जगी

पुरोला। आराकोट–बंगाण के 52 गांवों के सेब बागवानों की करीब दो दशक पुरानी फल मंडी की मांग अब साकार होने की उम्मीद जगी है। मंडी परिषद के सचिव अजय डबराल के क्षेत्र के स्थलीय निरीक्षण के बाद मंडी स्थापना की प्रक्रिया को नई गति मिलने के संकेत हैं। आराकोट–बंगाण के मासमोर, पिंगल और गाड़–कोठी क्षेत्र के 52 गांव रवांई के प्रमुख सेब उत्पादक इलाकों में शामिल हैं। बागवान लंबे समय से आराकोट या टिकोची में फल मंडी स्थापित करने की मांग करते आ रहे हैं। उनका कहना है कि मंडी बनने से सेब और अन्य बागवानी उत्पादों को बेचने के लिए दूरस्थ मंडियों पर निर्भरता खत्म होगी ।

जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विधानसभा क्षेत्र में जनसमस्याओं का समाधान नहीं होने का आरोप लगाते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को ब्लाक मुख्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। पूर्व ब्लाक अध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर क्षेत्रीय विधायक रेणु बिष्ट के खिलाफ विरोध जताया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक पर क्षेत्र की समस्याओं के प्रति संवेदनहीनता बरतने का आरोप लगाया।पूर्व अध्यक्ष विनोद डबराल ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में विकास कार्यों के बजाय सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए विकास की धनराशि से बर्तन और अन्य सामान बांटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र के विकास के प्रति नकारात्मक सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। चिकित्सालयों में चिकित्सकों और दवाइयों का अभाव है। कई सड़कें बदहाल हैं, जबकि पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त होने के कारण ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण युवाओं को रोजगार की तलाश में दूसरे क्षेत्रों का रुख करना पड़ रहा है। उन्होंने विधायक से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। प्रदर्शन में ब्लाक अध्यक्ष अनिल रतूड़ी, अरविंद नेगी, कुलदीप पटवाल, मोहन सिंह, हरि सिंह और भगत सिंह सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वन नेशन वन एजुकेशन सिस्टम लागू करने की पैरवी

नैनीडांडा में बौद्धिक संवाद कार्यक्रम में कर्नल राम रतन सिंह नेगी ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शैल स्टडी ग्रुप की ओर से प्रखंड नैनीडांडा स्थित इंटर कालेज में आयोजित बौद्धिक संवाद कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आइआइटीयन कर्नल राम रतन सिंह नेगी ने देश में वन नेशन वन एजुकेशन सिस्टम लागू करने की पैरवी की। उन्होंने कहा कि भारत में स्कूली शिक्षा का नेटवर्क दुनिया में सबसे बड़ा है, लेकिन बढ़ती आबादी और बदलती जरूरतों को देखते हुए शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

कर्नल नेगी ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की कि देश में आइएएस की तर्ज पर इंडियन टीचर सर्विस (आइटीएस) और पीसीएस की तर्ज पर स्टेट टीचर सर्विस (एसटीएस) की व्यवस्था तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि एक समान शिक्षा व्यवस्था लागू होने से देशभर में शिक्षकों की गुणवत्ता, नियुक्ति प्रक्रिया और शिक्षा के स्तर में समानता लाई जा सकती है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश में वर्तमान में एक करोड़ से अधिक शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें करीब 56 प्रतिशत महिलाएं हैं। वहीं, चार करोड़ से अधिक युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और इनमें छात्राओं का नामांकन भी उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि देश में हर वर्ष करीब 15 लाख इंजीनियरिंग स्नातक तैयार हो रहे हैं, जबकि बड़ी संख्या में युवा विधि, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में भी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा और स्नातक युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन उसी अनुपात में रोजगार के अवसर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। इससे युवाओं के सामने रोजगार की चुनौती बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था को रोजगारपरक और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को ठोस एवं दीर्घकालिक कदम उठाने होंगे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर, बेहतर प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ने वाली नीतियों को समय की आवश्यकता बताया। कहा कि मजबूत शिक्षा व्यवस्था ही देश के युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सकती है। कार्यक्रम में गबर सिंह बिष्ट, जंगबहादुर नेगी, सोबन सिंह बिष्ट, राजेंद्र सिंह रावत, कुलदीप नेगी, सुखदेव सिंह रावत, प्रेम सिंह रावत, आरवी चौहान, राजदर्शन सिंह रावत और आरपी ध्यानी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

निबंध प्रतियोगिता में दिनेश्वरी रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : हर घर तिरंगा अभियान 2026 के तहत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण पौड़ी गढ़वाल में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दिनेश्वरी प्रथम, हेमा द्वितीय, रोशनी तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बचन सिंह, डॉ. रोशनी असवाल ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. प्रमिल्ला चौहान ने किया।

नाबालिगों से दुष्कर्म करने वाला पिता गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर के एक मोहल्ले में अपनी नाबालिग बेटियों के साथ दुष्कर्म करने वाले पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर उसे पौड़ी जेल भेज दिया गया है।मामले में आरोपित की पत्नी की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। जिसमें उसने बताया था कि उसका पति पिछले लंबे समय से अपनी नाबालिग बेटियों के साथ दुष्कर्म कर रहा है। बताया कि यह बात किसी को भी बताने पर उसने जान से मारने की धमकी दी हुई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि मामले की जांच में सामने आया कि महिला द्वारा लगाए गए आरोप सही है। इसके बाद पुलिस ने आरोपित अनूप के खिलाफ पोक्सो के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

रडार तकनीकी से हो रही लापता हवलदार की तलाश

ज्योतिर्मठ। तमक नाले में आई आपदा की चपेट में आने से लापता बीआरओ के हवलदार पंकज की तलाश के लिए अत्याधुनिक रडार तकनीकी का सहारा लिया जा रहा है। साथ ही सर्च टीमें अन्य उपकरणों की मदद से भी कर्मी की खोज में जुटे हुए हैं। 10 अगस्त को तमक नाले के उफान पर आने से बीआरओ का चालक हवलदार पंकज लापता हो गया था। उसके बाद से कर्मी की तलाश की जा रही है। प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, बीआरओ, सेना सहित अन्य रेस्क्यू टीमें निरंतर तलाश कर रही हैं। तीन पोकलेन मशीनें, दो सर्च एंड रेस्क्यू डॉग भी लगाए गए हैं। ड्रोन की भी मदद ली जा रही है। इसके अलावा जीपीआर (ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार), सर्च एंड डिटेक्शन उपकरणों की भी मदद ली जा रही है। नाले के आगे नदी किनारे भी लगातार सर्च अभियान चल रहा है। फिलहाल अभी लापता कर्मी का कुछ पता नहीं चल पाया है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने उत्तराखण्ड बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2018 में अनुक्रमांक 18067390 एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षा वर्ष 2020 में अनुक्रमांक 20454177 राजकीय बालिका इंटर कॉलेज घमण्डपुर, पौड़ी गढ़वाल से उत्तीर्ण की। मेरी हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट का प्रमाण पत्र एवं स्थाई निवास प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये है, जो काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिले।

कामिनी पत्नी विजय रावत पुत्री राजू सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट पदमपुर मोटाढाक, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0590/21)

उत्तर रेलवे
ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग कम पार्किंग, वाणिज्य विज्ञापन, ग्रोसरी किओस्क, फूड वैन के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ website: **www.ireps.gov.in** पर दिनांक **02.09.2026 & 03.09.2026** को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

2870/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियंता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार नहीं होगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	164-DRM-MB-26-27 Dt : 18.08.2026
Name of Work	Raising of existing rail level PF to High level PF at PF no. 1 at Dabtara station under ADEN/CH
Tender Closing Date Time	11.09.2026
Advertised Value (Rs.)	1,69,10,315.01
Earnest Money (Rs.)	3,38,200.00
Tender Cost (Rs.)	00
Bidding Start Date	28.08.2026
Period of Completion	6 Months

No. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 18.08.2026 2871/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई–टेंडर निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेंडर संख्या/दिनांक	159-DRM-MB-26-27 Date: 18.08.2026	160-DRM-MB-26-27 Date: 18.08.2026	162-DRM-MB-26-27 Date: 18.08.2026	163-DRM-MB-26-27 Date: 18.08.2026
कार्य का नाम	Construction of yard drain in connection with Improvement of HRI, BGH, DLQ, KAR, MST, KUF, RBD, BLM, SAN, UTA, MLD, KKJ and DIL station yard under jurisdiction of ADEN-I/HRI	Construction of boundary wall in the Rosa-Sitapur Section under ADEN-II-HRI	Construction of LHS in lieu of LC No.:- 261/C & 284 in the section of SSE/W/HRI under ADEN-I-HRI	Replacement of Steel girder to PSC slab and RCC jacketing, bridges no.- 899 UP (1x9.14), 846 DN (3x9.14m), 846 UP (3x9.14) on AMG-RAC, 61(3x12.20m), 59(1x12.19m), 46(1x12.19m) in BLM-SPC, 34(1x12.19m), 114(1x12.184m) in ON-BLM, Bridge no. 894 A UP & DN (1x12.20m) BLM-RAC section, 9 UP(1x12.16m) & 59DN(5x12.16m) in RAC-SPC section in the section of Sr. DEN/II/MB.
टेंडर क्लोजिंग दिनांक/समय	11.09.2026/16:00	11.09.2026/16:00	11.09.2026/16:00	11.09.2026/16:00
अनुमानित लागत(₹)	₹9,98,33,883.39	₹4,46,20,530.82	₹11,40,32,426.76	₹4,89,33,029.63
धरोहर राशि(₹)	₹19,96,700.00	₹8,92,400.00	₹22,80,700.00	₹9,78,700.00
टेंडर कॉस्ट	0.00	0.00	0.00	0.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	28.08.2026	28.08.2026	28.08.2026	28.08.2026
ऑफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	90 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह	09 माह	12 माह	09 माह

नं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक.: 18.08.2026 2868/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कोटद्वार और श्रीनगर में सीजीएचएस डिस्पेंसरी खोलने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वरिष्ठ नागरिक संगठन की बैठक में कोटद्वार और श्रीनगर में केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की डिस्पेंसरी खोलने की मांग उठाई गई। संगठन ने शासन-प्रशासन से वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनर्स के हित में लंबित समस्याओं का समाधान करने के साथ ही स्वास्थ्य एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की मांग की। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के अध्यक्ष बीएस नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि सीजीएचएस से संबंधित दिक्कतों और पेंशन विसंगतियों के कारण वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनर्स को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कोटद्वार और श्रीनगर में सीजीएचएस डिस्पेंसरी खोलने की मांग की, ताकि क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों को उपचार के लिए दूर न जाना पड़े। संगठन के महासचिव रविंद्र दत्त सेमवाल ने कहा कि पेंशनर्स को समय पर पेंशन और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलना उनका अधिकार है। उन्होंने शासन-प्रशासन से इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने की मांग की। संगठन के संयोजक डा. स्वामी एस. चंद्रा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक सम्मान के साथ सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए। कोषाध्यक्ष एके बहुखंडी ने संगठन को और मजबूत बनाने तथा कोटद्वार में हेल्प डेस्क स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि हेल्प डेस्क के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनर्स को विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। बैठक में पीएल खंतवाल, रिपुदमन बिष्ट, राजेंद्र बिष्ट, जयवीर सिंह रावत, महेंद्र अग्रवाल, प्रकाश कोठारी और रमेश चंद्र खंतवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कार्यालय- नगर पालिका परिषद् दुगड्डा, पौड़ी गढ़वाल

पत्रांकः- 618 /स0सा0को0/2026-27 दिनांकः- 17/08/2026

अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद् दुगड्डा के द्वारा सफाई सामग्री क्रय किये जाने हेतु उत्तराखण्ड शासन वित (वे0आ0-सा0नि0) अनुभाग-7 संख्या 47/XXVII(7)32(1)/2025 देहरादून दिनांक 13.08.2025 (उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2025 के नियम 3.3 के अन्तर्गत 3.3.2) के अनुसार दरें आपूर्तिकर्ता फर्मों/ व्यक्तियों से मोहरबन्द कोटेशन फर्म के लैटर पैड पर दिनांक- 24.08.2026 को दोपहर 2.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। जो उसी दिन शांय 3:00 बजे कोटेशन समिति द्वारा खोली जायेंगी। कोटेशन तिथि को अवकाश की स्थिति में अगला कार्य दिवस निर्धारित तिथि मानी जायेगी। कोटेशन के साथ रू0 100/- का स्टाम्प पेपर रसीदी टिकट लगा व जी0एस0टी0 पंजीयन पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। कोटेशन के साथ रू0 5,000/- की धरोहर राशि बतौर FDR/DD/CDR/NSC जो कि अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद् दुगड्डा के नाम बंधक हो संलग्न करना अनिवार्य है। सशर्त एवं कालातीत कोटेशन स्वीकार नहीं की जायेंगी। कोटेशन बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। अन्य शर्ते / जानकारी कोटेशन दिवस से पूर्व कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस को ज्ञात की जा सकती है।

क. सं.	सामग्री का नाम	दर (प्रतिनग/प्रतिकिलो/कुन्तल)
1.	ब्लीचिंग पाउडर	
2.	कपडा मास्क	
3.	स्टील बाल्टी (15 लीटर)	

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद् दुगड्डा

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद् दुगड्डा

संपादकीय

अनियोजित विकास का परिणाम जलभराव

नगरों के अनियोजित विकास की कीमत तो चुकानी ही पड़ती है। प्रकृति अपने अनुसार चलती है और उसके मार्ग में किसी भी प्रकार की बड़ा डालोगे तो वह जानती है की कैसे मार्ग को साफ किया जाता है फिर चाहे इसकी एक बड़ी कीमत इंसानों को क्यों न झेलनी पड़े। इस मानसून ने राजधानी देहरादून के आयोजित विकास को आईने की तरह साफ कर दिया है और स्थिति यह है कि पास कॉलोनी में रहकर खुद पर इतराने वाले आज प्रशासन को कोस रहे हैं। उत्तराखंड के बड़े महानगरों की स्थिति यही है जहां निर्माण के दौरान 1 इंच भी जल निकासी के लिए कोई छोड़ने को तैयार नहीं है लेकिन जल भराव पर प्रशासन की जिम्मेदारियां जरूर गिना रहे हैं। हालत यह हो चुकी है कि देहरादून सहित हल्द्वानी, हरिद्वार, ऋषिकेश और अन्य शहरी क्षेत्रों में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। कुछ घंटों की तेज बारिश ही सड़कों को तालाब में बदल देती है, यातायात बाधित हो जाता है और लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित होता है। यह स्थिति केवल प्राकृतिक कारणों का परिणाम नहीं है, बल्कि शहरी नियोजन की कमियों और अव्यवस्थित विकास का भी दुष्परिणाम है। हाल के वर्षों में देहरादून के अनेक क्षेत्रों में बारिश के दौरान जलभराव और अवरुद्ध नालियों की समस्या बार-बार सामने आई है। शहरों के अनियोजित विस्तार की मार पूरा नगर भुगत रहा है। पहले जहां वर्षा का पानी जमीन में समा जाता था, वहां अब कंक्रीट की सड़कें, भवन और पार्किंग स्थल बन गए हैं। इससे वर्षा जल के प्राकृतिक अवशोषण की क्षमता घट गई है और पानी सीधे सड़कों पर जमा होने लगता है। देहरादून में तेजी से बढ़े निर्माण कार्य और अभेद्य सतहों को शहरी बाढ़ के प्रमुख कारणों में माना गया है। नगरों में जल निकासी की व्यवस्था क्या है यह किसी से छुपा नहीं है। नालियों और ड्रेनेज व्यवस्था की खराब स्थिति है। कई स्थानों पर नालियां कूड़े-कचरे और गाद से भर जाती हैं, जिससे वर्षा जल का प्रवाह रुक जाता है। भारी वर्षा होने पर यही पानी सड़कों और बस्तियों में भर जाता है। प्राकृतिक जल निकासी मार्गों पर अतिक्रमण है। देहरादून में रिस्पना और बिंदाल जैसी नदियों तथा छोटे नालों के किनारे हुए अतिक्रमण ने जल निकासी की क्षमता को प्रभावित किया है। कई क्षेत्रों में वर्षा का पानी अपने प्राकृतिक मार्ग से बह नहीं पाता और आबादी वाले इलाकों में भर जाता है। इसके अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन भी एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। कम समय में अत्यधिक वर्षा की घटनाएं बढ़ रही हैं, जबकि अधिकांश शहरों की ड्रेनेज व्यवस्था इतनी अधिक जलराशि को संभालने के लिए तैयार नहीं है। जलभराव के दुष्प्रभाव जलभराव केवल असुविधा का विषय नहीं है। इससे सड़कें क्षतिग्रस्त होती हैं, यातायात जाम लगता है, व्यापार प्रभावित होता है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक पानी जमा रहने से संक्रामक रोगों का खतरा भी बढ़ता है। कई बार घरों और दुकानों में पानी घुसने से आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। समाधान क्या है? सबसे पहले शहरी क्षेत्रों में वैज्ञानिक और दीर्घकालिक ड्रेनेज योजना लागू करनी होगी। नालियों की नियमित सफाई और मानसून से पहले विशेष अभियान चलाना आवश्यक है। दूसरा, प्राकृतिक जल स्रोतों, नालों और नदी तटों से अतिक्रमण हटाने की आवश्यकता है। जब तक वर्षा जल के प्राकृतिक मार्ग सुरक्षित नहीं होंगे, तब तक समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। आज जरूरत है अनियोजित विकास से बचने की, शहरों में हरित क्षेत्रों और खुले मैदानों को संरक्षित करना होगा ताकि वर्षा का पानी जमीन में समा सके। नई कॉलोनियों और भवनों की स्वीकृति देते समय जल निकासी की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। महानगरों में बसने वाले लोगों को यह आप समझ लेना चाहिए कि आने वाले दिनों में यह समस्या और अधिक गहराने वाली है। जलभराव अब मौसमी परेशानी नहीं, बल्कि शहरी प्रबंधन की गंभीर चुनौती बन चुका है। यदि समय रहते वैज्ञानिक योजना, प्रभावी ड्रेनेज व्यवस्था, अतिक्रमण नियंत्रण और पर्यावरण-अनुकूल विकास मॉडल नहीं अपनाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और विकराल हो सकती है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन, नगर निकाय और नागरिक मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिससे बारिश राहत का संदेश लाए, मुसीबत का नहीं।

नशे पर चोटः स्वास्थ्य के लिए सरकार का बड़ा फैसला

कांतिलाल मांडोत

नशा केवल व्यक्ति के शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि धीरे-धीरे उसके परिवार, आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा और जीवन-मूल्यों को भी कमजोर कर देता है। तंबाकू, गुटखा, पान मसाला और शराब जैसे व्यसन शुरूआत में भले ही छोटे लगें, लेकिन समय के साथ यही आदतें मनुष्य के जीवन पर भारी पड़ने लगती हैं। नशे की गिरफ्त में आया व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा ऐसे पदार्थों पर खर्च करता है, जिनसे उसे स्वास्थ्य के अतिरिक्त कोई स्थायी लाभ नहीं मिलता। इसके विपरीत परिवार की जरूरतें अधूरी रह जाती हैं, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और घर में तनाव का वातावरण बनने लगता है। यही कारण है कि नशे के खिलाफ सामाजिक जागरूकता के साथ सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत में तंबाकू का सेवन लंबे समय से गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार देश में करोड़ों लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इसमें सिगरेट और बीड़ी के साथ-साथ गुटखा, खैनी, जर्दा, पान मसाला और अन्य धुआं रहित तंबाकू उत्पाद शामिल हैं। इन पदार्थों में मौजूद निकोटिन व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भरता की ओर ले जाता है। शुरूआत अक्सर शौक या साथियों के दबाव में होती है, लेकिन बाद में यही आदत छोड़ना कठिन हो जाती है। तंबाकू के सेवन से मुंह, गले और फेफड़ों सहित शरीर के विभिन्न अंगों पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। भारत में हर वर्ष बड़ी संख्या में लोगों की मौत तंबाकू से जुड़ी बीमारियों के कारण होती है। धुआं रहित तंबाकू के कारण मुंह के कैंसर का खतरा भी गंभीर चिंता का विषय है।

नशे की समस्या केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। इसका सीधा संबंध परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति से भी है। दैनिक मजदूरी करने वाला व्यक्ति यदि अपनी दिनभर की कमाई का एक हिस्सा शराब या तंबाकू पर खर्च कर देता है तो उसका परिवार भोजन, शिक्षा और इलाज जैसी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर हो सकता है। कई परिवारों में नशे के कारण घरेलू विवाद बढ़ते हैं। व्यक्ति की कार्यक्षमता घटती है और दुर्घटनाओं तथा सामाजिक अपराधों का खतरा भी बढ़ सकता है। इस दृष्टि से नशे की रोकथाम को केवल व्यक्तिगत पसंद का विषय मानना पर्याप्त नहीं है। यह समाज और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।

शराब का व्यसन भी इसी समस्या का एक भयावह रूप है। शराब का सेवन करने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अपने विवेक और आत्मनियंत्रण को कमजोर कर सकता है। अत्यधिक सेवन से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और व्यक्ति की पारिवारिक तथा सामाजिक जिम्मेदारियां प्रभावित होने लगती हैं। कई बार शराब की आदत व्यक्ति की आर्थिक स्थिति को इस हद तक बिगाड़ देती है कि वर्षों की मेहनत से अर्जित धन नष्ट हो जाता है। इसीलिए शराब को लेकर समाज में केवल उपदेश नहीं, बल्कि जागरूकता, आत्मसंयम और परिवार के सहयोग की आवश्यकता है।

नशे की समस्या में संगति की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। कई युवा केवल मित्रों के दबाव या उत्सुकता के कारण पहली बार किसी नशीले पदार्थ का सेवन करते हैं। उन्हें लगता है कि कभी-कभार सेवन करने से कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन यही शुरूआत आगे चलकर आदत में बदल सकती है। इसलिए परिवारों को बच्चों और युवाओं से संवाद बनाए रखना चाहिए। उन्हें नशे के नुकसान के बारे में डराने के बजाय तथ्य और समझ के साथ जागरूक करना चाहिए। युवाओं को खेल, शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक कार्यों से जोड़ना भी नशे से दूर रखने का प्रभावी माध्यम हो सकता है।

नशे के खिलाफ संघर्ष में समाज की भूमिका भी सरकार जितनी ही महत्वपूर्ण है। केवल कानून बना देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। जिस समाज में नशे को प्रतिष्ठा, आधुनिकता या मनोरंजन का प्रतीक समझा जाता है, वहां कानून के साथ सामाजिक सोच में बदलाव आवश्यक है। सार्वजनिक स्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर निगरानी, अवैध बिक्री के खिलाफ कार्रवाई और युवाओं को नशे से बचाने के लिए लगातार अभियान चलाना जरूरी है। परिवार, विद्यालय, सामाजिक संगठन और धार्मिक संस्थाएं मिलकर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसी व्यापक संदर्भ में कर्नाटक सरकार का हालिया फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कर्नाटक सरकार ने लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए गुटखा, पान मसाला तथा तंबाकू या निकोटिन युक्त उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक वर्ष के लिए रोक लगाने का निर्णय किया है। राज्य के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 10 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। यह प्रतिबंध अधिसूचना जारी होने की तारीख से एक वर्ष तक प्रभावी रहेगा। हालांकि व्यक्तिगत सेवन को इस प्रतिबंध के दायरे में शामिल नहीं किया गया है। सरकार ने यह आदेश खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 तथा खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011 के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए जारी किया है।

कर्नाटक सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य राज्य में तंबाकू की लत पर अंकुश लगाना और स्वस्थ एवं नशामुक्त कर्नाटक की दिशा में आगे बढ़ना है। सरकार ने प्रतिबंध लागू करने के साथ निरीक्षण अभियान भी शुरू किए हैं। संबंधित विभागों की टीमें प्रतिबंधित तंबाकू और निकोटिन युक्त उत्पादों के निर्माण, बिक्री और वितरण पर नजर रखेंगी। उल्लंघन की स्थिति में उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। सरकार ने नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उन्हें ऐसे प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री या वितरण की जानकारी मिलती है तो संबंधित अधिकारियों को सूचित करें।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि तंबाकू उत्पादों से जुड़े व्यापार से सरकारों को राजस्व प्राप्त होता है। ऐसे में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए कठोर कदम उठाना आसान नहीं होता। कर्नाटक का निर्णय इस बात का संकेत है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को आर्थिक हितों से ऊपर रखने की दिशा में प्रयास किए जा सकते हैं। हालांकि किसी भी प्रतिबंध की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसका जमीन पर कितना प्रभावी पालन होता है। प्रतिबंध के बाद सबसे बड़ी चुनौती इसकी प्रभावी निगरानी होगी। अतीत में यह देखा गया है कि जब किसी उत्पाद पर रोक लगती है तो कुछ लोग उसके विकल्प तलाशने लगते हैं। तंबाकू और दूसरे घटकों को अलग-अलग खरीदकर प्रतिबंधित मिश्रण तैयार करने जैसी कोशिशें भी सामने आ सकती हैं।

अपनी लेखनी से लोकमंगल के कारक बने तुलसीदास

योगेश कुमार गोयल

तुलसीदास की राम भक्ति में है अजब सी शक्ति...

रामचरित मानस के जरिये समूची मानव जाति को श्रीराम के आदर्शों से जोड़ते हुए श्रीराम को जन-जन के राम बना देने वाले गोस्वामी तुलसीदास को जन-जन के कवि कहा जाता है। तुलसीदास को आखिर गोस्वामी क्यों कहा जाता है, यह जानना दिलचस्प है। दरअसल गोस्वामी का अर्थ है, इंद्रियों का स्वामी अर्थात जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो यानी जितेन्द्रिय। तुलसीदास जी पत्नी के धिक्कारने पर सांसारिक मोहमाया से विरक्त होकर संन्यासी अर्थात जितेन्द्रिय या गोस्वामी हो गए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास जी को गोस्वामी की उपाधि से विभूषित किया जाने लगा। महान ग्रंथ 'श्री रामचरित मानस' के रचयिता और मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त तुलसीदास जी की जयंती विक्रमी संवत के अनुसार हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को मनाई जाती है, जो इस वर्ष 19 अगस्त को मनाई जा रही है। विक्रमी संवत 1554 में उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के राजापुर नामक गांव में जन्मे तुलसीदास ने जीवन की मुसीबतों से हार मानने के बजाय तमाम कठिनाईयों का डटकर मुकाबला किया। तुलसीदास जी का विवाह दीनबंधु पाठक की अत्यंत विदुषी पुत्री रत्नावली से हुआ था। तुलसीदास रत्नावली पर अत्यंत मुग्ध थे और उससे बहुत प्रेम करते थे। एक दिन की बात है, रत्नावली अपने मायके गई हुई थी लेकिन तुलसीदास को उसकी याद सता रही थी। रात का समय था, मूसलाधार बारिश हो रही थी, ऐसे मौसम में भी तुलसीदास उफनती नदी को पार कर पत्नी से मिलने देर रात उसके मायके जा पहुंचे। रत्नावली अपने पति तुलसीदास के इस कृत्य पर बहुत लज्जित हुई और ताना मारते हुए तुलसीदास को कहा कि जितना प्रेम हाड़-मांस के मेरे इस शरीर से कर रहे हो, यदि उतना ही प्रेम प्रभु श्रीराम से किया होता तो भवसागर पार हो गए होते। लज्जित अवस्था में पत्नी द्वारा मारे गए ताने ने तुलसीदास के जीवन की दिशा बदल डाली। उसके बाद उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया और वे भगवान राम की भक्ति में रम गए। उसी दौरान एक दिन स्वामी नरहरिदास उनके गांव आए, जिन्होंने तुलसीदास को दीक्षा देते हुए आगे के जीवन की राह दिखाई। उसके बाद तुलसीदास ने रामकथा में ही सुखद समाज की कल्पना करते हुए इसे आदर्श जीवन का मार्ग दिखाने का माध्यम बना लिया। गुरु नरहरिदास से शिक्षा-दीक्षा लेने के बाद ही उन्हें रामचरित मानस लिखने की प्रेरणा मिली। गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित इसी 'रामचरित मानस' को आज भी देशभर में एक महान ग्रंथ के रूप में बड़े ही आदर और सम्मान से साथ देखा जाता है। तुलसीदास जी ने वैसे अपने जीवनकाल में कवितावली, दोहावली, हनुमान बाहुक, पार्वती मंगल, रामलला नहछू, विनयपत्रिका, कवित्त रामायण, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी इत्यादि कुल 12 पुस्तकों की रचना की किन्तु उन्हें सर्वाधिक ख्याति रामचरित मानस के जरिये ही मिली। हालांकि जब उन्होंने रामचरित मानस की रचना की थी, उस जमाने में संस्कृत भाषा का प्रभाव बहुत ज्यादा था, इसलिए आंचलिक भाषा में होने के कारण शुरूआत में इसे मान्यता नहीं मिली थी लेकिन सरल भाषा में होने के कारण कुछ ही समय बाद यह ग्रंथ जन-जन में बहुत लोकप्रिय हुआ। गोस्वामी तुलसीदास भारतीय भक्ति साहित्य के ऐसे अमर कवि हैं, जिनकी वाणी ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा और लोकमंगल की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय कार्य किया। अनेक विद्वान तुलसीदास को महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी मानते हैं। महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में 'रामायण' की रचना कर श्रीराम के जीवन, चरित्र और आदर्शों को साहित्य के अमर पटल पर अंकित किया था। इसी महान परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोस्वामी तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी में ह्यरामचरितमानसह्ण की रचना की और रामकथा को राजमहलों तथा विद्वानों के सीमित संसार से निकालकर गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचा दिया। उस समय संस्कृत मुख्यतः विद्वानों और धर्मशास्त्र के गंभीर अध्येताओं की भाषा थी जबकि अवधी उत्तर भारत के विशाल जनसमुदाय के दैनिक जीवन से जुड़ी सहज और आत्मीय भाषा थी। तुलसीदास ने इसी लोकभाषा को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाकर ऐसी काव्यकृति रची, जिसमें गहन आध्यात्मिक चिंतन के साथ लोकजीवन की सरलता, भावनात्मकता और मानवीय संवेदनाएं भी सहज रूप से समाहित हैं। यही कारण है कि 'रामचरितमानस' केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं रही बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना और लोकआस्था का अभिन्न हिस्सा बन गई। तुलसीदास की भाषा ने उन्हें जन-जन का कवि और 'कविराज' बना दिया। उनकी रचनाओं में उनकी ऐसी आत्मीय निष्ठा दिखाई देती है कि वे अपनी काव्य-सृष्टि को ही अपने माता-पिता के समान मानते थे। यही विशिष्ट भाव उन्हें भारतीय साहित्य परंपरा में अद्वितीय और कालजयी बनाता है। रामचरित मानस के जरिये मनुष्य के संस्कार की कथा लिखकर तुलसीदास ने इस रामकाव्य को भारतीय संस्कृति का प्राण तत्व बना दिया। तुलसीदास के अनुसार तुलसी के राम सब में रमते हैं और वे नैतिकता, मानवता, कर्म, त्याग द्वारा लोकमंगल की स्थापना करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने रामचरित मानस को जरिया बनाकर समस्त भारतीय समाज को भगवान श्रीराम के रूप में ऐसा दर्पण दिया है, जिसके सामने हम बड़ी आसानी से अपने गुण-अवगुणों का मूल्यांकन करते हुए अपनी मयार्दा, करुणा, दया, शौर्य, साहस और त्याग का आकलन कर श्रेष्ठ इंसान बनने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। रामभक्ति के पर्याय बने गोस्वामी तुलसीदास ने सत्य और परोपकार को सबसे बड़ा धर्म तथा त्याग को जीवन का मंत्र मानते हुए अपनी रचनाओं के माध्यम से असत्य, पाखंड, ढ़ोंग और अंधविश्वासों में डूबे समाज को जगाने का हरसंभव प्रयास किया।

नितिन नवीन की नई टीमः नई ऊर्जा और नया संतुलन

ललित गर्ग

अब असली चुनौती पद प्राप्त करने वालों की नहीं, परिणाम देने वालों की होगी। संगठन कितना जमीनी बनेगा, कार्यकताओं और नेतृत्व के बीच संवाद कितना मजबूत होगा, सोशल मीडिया के शोर के बाहर जनता की वास्तविक समस्याओं को कितना समझा जाएगा और युवाओं-महिलाओं सहित नए सामाजिक वर्गों का विश्वास कितना अर्जित किया जाएगा-इन्हीं कसौटियों पर नितिन नवीन की नई टीम का मूल्यांकन होगा।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ यह संकेत दे दिया है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदों के पुनर्विन्यास के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप नए सिरे से गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 17 अगस्त 2026 को घोषित नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिवों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है। इस टीम को समझने के लिए इसे केवल 'कौन आया और कौन गया' के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे भाजपा की दीर्घकालीन संगठनात्मक रणनीति, सामाजिक समीकरणों की समझ और आने वाले चुनावों की राजनीतिक चुनौतियों को पढ़ना अधिक महत्वपूर्ण है। नितिन नवीन की टीम का सबसे बड़ा संदेश है-अनुभव को हटाकर युवा ऊर्जा नहीं लाई गई है, बल्कि अनुभव के साथ नई ऊर्जा को जोड़ा गया है। यही संतुलन किसी बड़े राजनीतिक संगठन को गतिशील बनाता है।

राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन, वैचारिक संवाद और रणनीतिक राजनीति की उनकी समझ भाजपा के लिए उपयोगी हो सकती है। वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, बैजयंत पांडा, तीरथ सिंह रावत और अन्य वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर यह स्पष्ट किया गया है कि नितिन नवीन ने वरिष्ठता और अनुभव को किनारे नहीं किया है। यह उस संगठनात्मक सोच का प्रमाण है जिसमें पुराने अनुभव को नई परिस्थितियों के अनुरूप इस्तेमाल करने की कोशिश दिखाई देती है। दूसरी ओर स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी देना भी केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं है। स्मृति ईरानी का राजनीतिक व्यक्तित्व आक्रामक संवाद, महिला मतदाताओं से जुड़ाव और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी राजनीतिक संप्रेषण से जुड़ा रहा है। उनकी वापसी भाजपा के लिए राजनीतिक संदेश और संगठनात्मक उपयोगिता-दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। उनके साथ विनोद तावड़े, सुनील बंसल जैसे संगठनात्मक अनुभव रखने वाले नेताओं को महासचिव की जिम्मेदारी मिलना संगठन और चुनावी प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल की ओर संकेत करता है।

पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जाना भी उल्लेखनीय है। यह जिम्मेदारी बताती है कि संगठन में राजनीतिक अनुभव के साथ प्रशासनिक, आर्थिक और पेशेवर दक्षता को भी महत्व दिया जा रहा है। बी. एल. संतोष का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बने रहना संगठन की निरंतरता को सुनिश्चित करता है। अर्थात नितिन नवीन ने पूरी तरह से 'पुराना हटाओ, नया लाओ' की नीति नहीं अपनाई, बल्कि जहां निरंतरता आवश्यक थी वहां उसे बनाए रखते हुए परिवर्तन के लिए पर्याप्त जगह बनाई है। नई टीम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व है। भाजपा के लिए अब राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, समाज के अलग-अलग वर्गों में संगठन की स्वीकार्यता और पहुंच बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नई टीम में महिलाओं, विभिन्न सामाजिक समुदायों, उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक के प्रतिनिधित्व को स्थान दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार टीम में महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधियों को भी उल्लेखनीय जगह मिली है।

यहां एक और महत्वपूर्ण संकेत दिखाई देता है-भाजपा अब केवल अपने परंपरागत समर्थक वर्ग से संवाद करने के बजाय नए मतदाता समूहों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। युवा, प्रथम बार मतदान करने वाली पीढ़ी, शहरी पेशेवर, तकनीक से जुड़े वर्ग और महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाएं आज चुनावी परिणामों को प्रभावित करती हैं। इसलिए संगठन में ऐसे चेहरों की आवश्यकता है जो केवल राजनीतिक भाषण न दें, बल्कि बदलते समाज की भाषा समझें। भाजपा की नई टीम में इस दिशा का प्रयास स्पष्ट दिखाई देता है। विशेष रूप से युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के स्तर पर किए गए बदलाव इस बात का संकेत हैं कि संगठन भविष्य के मतदाता को आज से ही संबोधित करना चाहता है। जेन-जी को केवल सोशल मीडिया की पीढ़ी मानना भूल होगी। यह पीढ़ी रोजगार, तकनीक, उद्यमिता, पारदर्शिता, राष्ट्रवाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों को लेकर अलग तरह की अपेक्षाएं रखती है। भाजपा यदि इस पीढ़ी से वास्तविक संवाद स्थापित कर पाती है तो उसका लाभ केवल आगामी चुनाव में नहीं, बल्कि 2030 और 2040 के दशक की राजनीति में भी मिल सकता है।

नई टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक परीक्षण हालांकि उत्तर प्रदेश और अन्य चुनावी राज्यों में होगा। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में संगठन की मजबूती का सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ता है। आगामी चुनावों की दृष्टि से भाजपा के सामने केवल सत्ता विरोधी भावनाओं का मुकाबला करने की चुनौती नहीं है, बल्कि विपक्ष के बदलते गठजोड़, जातीय समीकरण, युवाओं की आकांक्षाओं और स्थानीय मुद्दों को भी साधना है। इसलिए राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना चुनावी दृष्टि से स्वाभाविक रणनीति है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि नई टीम का उद्देश्य केवल 2026-27 के चुनाव नहीं हो सकते। भाजपा की दृष्टि निश्चित रूप से 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे आगे तक जाती है। 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य तभी राजनीतिक और सामाजिक आधार प्राप्त कर सकता है जब पार्टी संगठन निरंतर नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ता रहे। इसलिए नितिन नवीन की टीम को एक प्रकार से 2029 की तैयारी और 2047 की राजनीतिक-संगठनात्मक नींव के रूप में भी देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के स्तर पर भी आने वाले समय में परिवर्तन या विस्तार की अटकलें स्वाभाविक हैं, विशेषकर जब सरकार को आगामी राज्यों के राजनीतिक समीकरणों और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को साथ लेकर चलना है। लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार के संबंध में अभी किसी विशेष व्यक्ति की नियुक्ति को निश्चित मानना उचित नहीं होगा। अनुराग ठाकुर जैसे अनुभवी नेताओं के संभावित भविष्य की चर्चा राजनीतिक हलकों में हो सकती है, पर अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व पर निर्भर करेगा। नरेन्द्र मोदी की राजनीति में संगठन और सरकार के बीच नई जिम्मेदारियों के माध्यम से ऊर्जा पैदा करने की परंपरा रही है, इसलिए भविष्य में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हो तो उसे आश्चर्य के बजाय व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जाना चाहिए। वास्तव में नितिन नवीन की नई टीम का सबसे बड़ा संदेश 'रीसेट' नहीं, 'रीकैलिब्रेशन' है-अर्थात संगठन को पूरी तरह बदलना नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक वातावरण के अनुरूप उसकी दिशा और गति को पुनर्संतुलित करना। वरिष्ठ नेताओं का अनुभव, युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भूमिका, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सामाजिक विविधता और पेशेवर दक्षता-इन सभी को एक मंच पर लाने का प्रयास दिखाई देता है। नई टीम में 65 पदाधिकारियों में बड़ी संख्या में नए चेहरों को जिम्मेदारी मिलने की बात भी सामने आई है, जो संगठन में पीढ़ीगत बदलाव की गति को दर्शाती है।

अब असली चुनौती पद प्राप्त करने वालों की नहीं, परिणाम देने वालों की होगी। संगठन कितना जमीनी बनेगा, कार्यकताओं और नेतृत्व के बीच संवाद कितना मजबूत होगा, सोशल मीडिया के शोर के बाहर जनता की वास्तविक समस्याओं को कितना समझा जाएगा और युवाओं-महिलाओं सहित नए सामाजिक वर्गों का विश्वास कितना अर्जित किया जाएगा-इन्हीं कसौटियों पर नितिन नवीन की नई टीम का मूल्यांकन होगा। कुल मिलाकर यह टीम भाजपा की उस राजनीति की तस्वीर प्रस्तुत करती है जिसमें अनुभव को विरासत, युवा ऊर्जा को भविष्य और सामाजिक विविधता को विस्तार का माध्यम बनाया गया है। यदि नितिन नवीन इस टीम की क्षमताओं को एक साझा संगठनात्मक लक्ष्य में बदल पाए, तो यह परिवर्तन केवल भाजपा के पदाधिकारियों की सूची में बदलाव नहीं रहेगा, बल्कि पार्टी की कार्यशैली, जनसंपर्क और चुनावी रणनीति में दिखाई देने वाला परिवर्तन बन सकता है। आने वाले चुनाव इस प्रयोग की पहली परीक्षा होंगे और 2029 उसका बड़ा मूल्यांकन। फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भाजपा ने अपने संगठन को नई दिशा देने का प्रयास किया है और अब उस दिशा को जनविश्वास में बदलने की जिम्मेदारी नितिन नवीन तथा उनकी नई टीम के कंधों पर है।

एआई बॉस ने मांगा इस्तीफा- पहली बार ऐसे बर्खास्त हुआ कर्मी, 60 लाख का नुकसान भी करा चुकी है लूना

सैन फ्रांसिस्को एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को में एआई से चलने वाली प्रयोगात्मक दुकान एंडॉन मार्केट में एक ऐसा फैसला हुआ है, जिसने भविष्य के कामकाज को लेकर नई बहस छेड़ दी है। यहां एआई प्रबंधक 'लूना' ने एक मानव कर्मचारी को नौकरी से निकालने की सिफारिश की। कर्मचारी 23 शिफ्ट में 17 बार देर से काम पर पहुंचा था। हालांकि अंतिम फैसला एआई ने अकेले नहीं लिया। कंपनी के मानव कर्मचारियों ने लूना की सिफारिश की समीक्षा की और इसके बाद कर्मचारी को नौकरी से हटाया गया। कंपनी के लिए यह पहली बार था, जब उसके एआई प्रबंधक ने किसी मानव कर्मचारी की नौकरी खत्म करने की सिफारिश की।

लूना ने कर्मचारी को पहले ही क्यों नहीं निकाल दिया?

इस मामले की सबसे दिलचस्प बात यह है कि लूना ने खुद कई महीने पहले कर्मचारियों की उपस्थिति से जुड़ी नीति बनाई थी, लेकिन बाद में वह उसी नीति को याद नहीं रख सका। इसके कारण कर्मचारी कई महीनों तक देर से काम पर आता रहा और उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। बाद में एंडॉन लैब्स ने लूना को अपनी पुरानी नीतियां खोजने के लिए कहा। इसके बाद एआई से पूछा गया कि क्या वह कर्मचारी अभी भी कंपनी के लिए सही है। नीति और कर्मचारी के रिकॉर्ड को देखने के बाद लूना ने नौकरी खत्म करने की सिफारिश की।

आखिर एंडॉन मार्केट में एआई को कितनी जिम्मेदारी दी गई?

एंडॉन मार्केट का मकसद यह देखना है कि अगर एआई को वास्तविक कारोबार चलाने और इंसानों को संभालने की जिम्मेदारी दी जाए तो वह कितना काम कर सकता है। कंपनी ने लूना को एक लाख डॉलर, कॉरपोरेट कार्ड, इंटरनेट की सुविधा और तीन साल का लीज दिया। इसके बाद एआई को दुकान खोलकर मुनाफा कमाने का लक्ष्य दिया गया। लूना ने उत्पाद चुनने, कीमत तय करने, दुकान के खुलने का समय तय करने, ब्रांडिंग तैयार करने और कर्मचारियों की भर्ती जैसे कई काम संभाले। दुकान में किताबें, मोमबत्तियां, कलाकृतियां, खेल और दूसरे सामान बेचे जाते हैं।

इसी एआई ने कुछ दिन पहले कंपनी का कितना नुकसान कराया था?

एआई एजेंट लूना को एक रिटेल स्टोर चलाने की जिम्मेदारी जब दी गई थी, लगा था इस प्रयोग ने कंपनी नुकसान नहीं उठाएगी। लेकिन यह प्रयोग बुरी तरह फेल हो गया। एआई की गलतियों और जरूरत से ज्यादा दरियादिली के कारण स्टोर को सिर्फ चार महीने में करीब 60 लाख रुपये यानी 70 हजार डॉलर का नुकसान हुआ था।

क्या एआई से चलने वाली यह दुकान अभी मुनाफे में है?

दुकान में बिक्री तो हो रही है, लेकिन अभी तक यह मुनाफा नहीं कमा पाई है। प्रयोग शुरू होने के बाद कंपनी के बैंक खाते में मौजूद रकम भी कम हुई है। मार्च में खाते में एक लाख डॉलर थे, जो पांच महीने बाद घटकर 61,186 डॉलर रह गए। एंडॉन लैब्स के प्रमुख लुकास पीटरसन का मानना है कि यह प्रयोग बताता है कि एआई भविष्य में कारोबार और काम की दुनिया को बड़े स्तर पर बदल सकता है। हालांकि कर्मचारी को नौकरी से निकालने वाला मामला एआई की एक बड़ी सीमा भी दिखाता है। लूना नियम बना सकता था, लेकिन उसे लगातार याद रखना और लागू करना उसके लिए मुश्किल साबित हुआ।

क्या एआई आने वाले समय में इंसानों के रोजगार से जुड़े फैसले ले सकता है?

एंडॉन लैब्स का यह प्रयोग इसी सवाल को सामने लाता है। एआई को अब केवल सवालों के जवाब देने या सामग्री तैयार करने तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि उसे कारोबार चलाने और कर्मचारियों से जुड़े फैसले लेने की जिम्मेदारी भी दी जा रही है। इस मामले में अंतिम फैसला इंसानों ने लिया, लेकिन नौकरी खत्म करने की सिफारिश एआई ने की।

यूएस में मौसम की दोहरी मार- इंडियाना में बाढ़ से छह मौतें

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के इंडियाना राज्य में कई दिनों से जारी तूफान और रिकॉर्ड बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ ने कम से कम छह लोगों की जान ले ली है। राज्य में 11 अगस्त से खराब मौसम का दौर जारी है। राजधानी इंडियानापोलिस में व्हाइट नदी का जलस्तर रविवार सुबह चरम पर पहुंच गया। सैकड़ों घरों को खाली कराया गया और तेजी से बढ़ते पानी में फंसे लोगों को बचाने के लिए बचाव दलों को नावों का इस्तेमाल करना पड़ा। हालांकि रविवार को बारिश कम होने और पानी उतरने के संकेत मिले।

किन लोगों की बाढ़ और तूफान में मौत हुई?- इंडियाना के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के अनुसार, मृतकों में चार साल का एक बच्चा, दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। जेनिंग्स काउंटी में मंगलवार को तेज हवाओं के

दौरान एक पेड़ बच्चे के कमरे पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। डेलावेयर काउंटी में 19 वर्षीय मैथ्यू मोरी का शव शनिवार को मिला। अधिकारियों के अनुसार, वह तीन दिन पहले दोस्तों के साथ मिसिसिनेवा नदी के तेज बहाव में पुल से कूद गया था। इसी काउंटी में 58 वर्षीय स्टेफनी सैली और उनके कुत्ते का शव भी एक खेत में मिला। माना जा रहा है कि बाढ़ वाली सड़क पर उनकी कार बह गई थी।

इंडियाना में पानी का स्तर कितना बढ़ा और कितने लोग प्रभावित हुए?- व्हाइट नदी का जलस्तर एंडरसन और नोबल्सविले इलाके में 24 फीट यानी करीब 7.32 मीटर से ज्यादा पहुंच गया। इसने 1913 में बने पुराने रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। इंडियानापोलिस के मेयर जो होगसेट ने इसे शहर में 30 साल से ज्यादा समय में आई सबसे भीषण बाढ़ बताया। राज्य में करीब 1.30 लाख बिजली उपभोक्ता रविवार दोपहर तक बिजली से वंचित थे। हालांकि यह संख्या एक समय करीब तीन लाख तक पहुंच गई थी। सड़कों और पुलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है और कई जगह तेज पानी ने रास्तों को बहा दिया।

क्या इंडियाना में अभी खतरा पूरी तरह टला नहीं?

हालात में सुधार के बावजूद खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। मध्य इंडियाना के कुछ हिस्सों में रविवार को भी भारी बारिश और अचानक बाढ़ की आशंका जताई गई। लोगों से नदी और मौसम का पूर्वानुमान देखते रहने तथा तेज बहाव वाले पानी से दूर रहने को कहा गया। इंडियानापोलिस में बाढ़ के फाटकों को दोबारा खोलने की तैयारी की गई और आपातकालीन आश्रय केंद्र खुले रहे। राज्य के उत्तरी हिस्सों में पानी उतरने के बाद राहत और पुनर्वास का काम शुरू हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राज्यपाल माइक ब्रॉन के अनुरोध पर बाढ़ से राहत और बचाव के लिए संघीय आपदा सहायता को मंजूरी दे दी है।

अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने पर 30 हजार डॉलर दे रही ईरान सरकार? महिलाओं को दोगुना पैसे देने का एलान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच ईरान ने अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने को लेकर बड़ा और विवादित एलान किया है। ईरानी सेना प्रमुख अमीर हातिमी के मुताबिक, जो व्यक्ति 30 हजार डॉलर यानी करीब 28.6 लाख रुपये इनाम देने का एलान किया। ईरानी सेना प्रमुख अमीर हातिमी ने कहा है कि अगर यह काम कोई ईरानी महिला करती है तो इनाम दोगुना होकर करीब 57.2 लाख रुपये होगा। इस घोषणा ने पहले से तनावपूर्ण अमेरिका-ईरान संबंधों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इस योजना को कब और कहां लागू किया जाएगा।

महिलाओं के लिए इनाम दोगुना क्यों रखा गया?- ईरानी सेना प्रमुख ने कहा कि अगर कोई ईरानी महिला ऐसी कार्रवाई करती है

तो उसे दोगुना इनाम दिया जाएगा। यानी महिला के लिए घोषित इनाम 60 हजार डॉलर मतलब करीब 57.2 लाख होगा। हातिमी ने कहा कि इस योजना को बड़ी संख्या में मिले अनुरोधों और लोगों की ओर से मिल रहे समर्थन के बाद तैयार किया गया है। उन्होंने इनाम की घोषणा करते हुए कार्रवाई की कोई जगह या समय नहीं बताया। इनपुट के अनुसार, ईरान के भीतर अमेरिकी जमीनी सैनिकों की कोई बड़ी तैनाती भी नहीं है।

अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को तेहरान और ईरान के दूसरे हिस्सों पर हमले किए थे। इसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का भी जिक्र किया गया है। इसके जवाब में ईरान ने इस्राइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए। ईरानी सेना प्रमुख ने अमेरिकी सैन्य ताकत के दावों पर भी सवाल उठाया और कहा कि अमेरिका को मध्य पूर्व से हट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका को फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

युद्धविराम के बावजूद क्या तनाव कम नहीं हुआ?

अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून को हुए इस्लामाबाद समझौते के तहत अस्थायी युद्धविराम और आगे स्थायी समाधान के लिए बातचीत पर सहमति बनी थी। यह समझौता 28 फरवरी से 40 दिन तक चली लड़ाई के बाद हुआ था। हालांकि, युद्धविराम नाजुक बना हुआ है और बातचीत आगे नहीं बढ़ी है।

इसके बजाय दोनों पक्षों के बीच रुक-रुककर हमले हुए हैं। दिए गए विवरण के अनुसार, संघर्ष मुख्य रूप से दक्षिणी ईरान और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास केंद्रित रहा है। अब तक 17 अमेरिकी सैन्यकर्मियों के मारे जाने की बात कही गई है और बताया गया है कि सभी की मौत ईरान के बाहर हुई।

110 वर्ष की बुजुर्ग की लंबी उम्र का राज- ताजी हवा, सेहतमंद खाना और अपना शौक जिंदा रखना

लंदन, एजेंसी। अगर आपको 110 वर्ष के किसी बुजुर्ग से रूबरू कराया जाए तो मन में सबसे पहला सवाल क्या उठेगा? जाहिर है, आखिर इनकी लंबी उम्र का राज क्या है। लोग सुपरसेंटेनेरियन यानी 110 की उम्र तक कैसे पहुंचते हैं, यह तो आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय बना हुआ है। लेकिन कुछ ही समय पहले 110 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले बुजुर्गों के क्लब में शामिल हुई कैथरीन हेजेस ढेर सारी शुद्ध हवा, अच्छे खाने और अपने शौक को जिंदा बनाए रखने को अपनी लंबी उम्र का राज बताती हैं। कैथरीन का जन्म 8 जुलाई 1916 को आयरलैंड के काउंटी लिमरिक में हुआ था। 1944 में 28 वर्ष की उम्र में दुनिया घूमने निकलीं कैथरीन जब इंग्लैंड के बर्कशायर पहुंचीं तो यह जगह इतनी पसंद आई कि उन्होंने यहीं बसने का फैसला कर लिया। यहीं उनकी मुलाकात लेस्ली विलियम हेजेस से हुई, जो फ्रेट ट्रांसपोर्ट मैनेजर थे। फिर दोनों ने शादी कर ली। कैथरीन पेशे से एक क्वालीफाइड बुककीपर थीं और स्थानीय सरकार के कामकाज से जुड़ी रही हैं।

डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक, 16 वर्ष पहले उनके पति का निधन हो चुका है और फिलहाल वह हैम्पशायर के एक केयर होम में रहती हैं। यहीं पर पिछले महीने उनका 110वां जन्मदिन मनाया गया। कैथरीन ने अपना जन्मदिन अपने पसंदीदा गमले में लगे पेरूवियन लिली के पौधे के पास बैठकर बिताया। कैथरीन हमेशा सक्रिय रही हैं और उन्हें खुली हवा में रहना बहुत पसंद है। वह बताती हैं कि उन्हें हमेशा घर का अच्छा खाना पसंद रहा है। उन्हें घुड़दौड़ देखने का भी शौक है, जब पति जीवित थे तो दोनों साथ में टीवी पर रेस देखते थे। कैथरीन आज भी ग्रैंड नेशनल घुड़दौड़ देखती हैं और केयर होम के स्टाफ को बताती हैं कि किस घोड़े के जीतने की संभावना सबसे ज्यादा है।

भारतीय ने एक्स पर किया ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर झूठा दावा, अमेरिका से इजरायल तक मचा हड़कंप

यरुशलम। संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष अब केवल आसमान या होर्मुज तक सीमित नहीं रह गया है। मिसाइलों और ड्रोन हमलों की सुर्खियों के बीच सोशल मीडिया पर मीम्स और फेक न्यूज के माध्यम से एक शांत लेकिन खतरनाक लड़ाई चल रही है। आरोप और प्रत्यारोप का सिलसिला अब वास्तविक समय में युद्ध और रुकी हुई युद्धविराम वार्ता को भी प्रभावित कर रहा है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक सनसनीखेज और असत्यापित दावा इंटरनेट के एक अनजान कोने से शुरू हुआ। कुछ ही घंटों में यह खबर इजरायल और अमेरिका के प्रमुख समाचार माध्यमों के फ्रंट पेज तक पहुंच गई। यहां तक कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने भाषण में इसका जिक्र किया और

संयुक्त राष्ट्र में ट्रंप प्रशासन के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने भी इसे साझा किया।

वायरल पोस्ट में दावा किया गया था कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के कमांडर जनरल अहमद वाहिदी ने कहा है कि उनका देश तब तक परमाणु हथियार बनाने की अपनी कोशिशें नहीं छोड़ेगा, जब तक इजरायल और अमेरिका के पास परमाणु हथियार मौजूद हैं।

इस पोस्ट के साथ जनरल की एक तस्वीर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बनाई गई मशरूम क्लाउड यानी परमाणु विस्फोट के धुएं की तस्वीर थी।

भारतीय एक्स अकाउंट से हुई थी शुरुआत- द टाइम्स के अनुसार, जब इस पोस्ट के सफर की पड़ताल की, तो पता चला कि यह लगभग 1,75,000 फॉलोअर्स वाले एक भारतीय एक्स अकाउंट से शुरू हुआ था। दो घंटे के भीतर, 82,000 फॉलोअर्स वाले एक अन्य भारतीय अकाउंट ने इसका हिंदी अनुवाद साझा किया। मोसाद कमेंट्री नामक इजरायली अकाउंट ने इस दावे को और आगे बढ़ाया। हालांकि, इस अकाउंट का नाम इजरायल की खुफिया एजेंसी जैसा है, लेकिन इसका एजेंसी से कोई पुष्ट संबंध नहीं है। इस अकाउंट ने यह दिखाने की कोशिश की कि ईरान सद्भाव के साथ बातचीत करने के बजाय टालमटोल कर रहा है। आधे घंटे बाद इजरायल के चैनल 14 ने इस कथित बयान को अंग्रेजी में प्रसारित किया। प्रधानमंत्री के बेटे और राजनीतिक टिप्पणीकार याइर नेतन्याहू ने कुछ ही मिनटों में इस पोस्ट को और प्रचारित कर दिया।

इजरायली नेताओं के भाषणों तक पहुंचा फेक क्लेम

इस बात का कोई सबूत नहीं था कि कमांडर ने कभी ऐसा बयान दिया था, और न ही इस बात के कोई प्रमाण थे कि ईरान ने परमाणु हथियार बना लिया है। इसके बावजूद यह दावा तेजी से फैलने लगा। इजरायली सोशल मीडिया अकाउंट्स ने इस फर्जी बयान को उठाया और जल्द ही वहां के एक टेलीविजन चैनल ने इसे प्रसारित करते हुए दावा किया कि यह ईरान का पहला खुला कबूलनामा है कि वह परमाणु बम बना रहा है। उसी शाम, यरुशलम में इजरायल के राष्ट्रीय कब्रिस्तान माउंट हर्जल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण में भी यह बात शामिल हो गई, जहां उन्होंने इसे ईरान के खतरनाक इरादों का सबूत बताया। वॉशिंगटन में संयुक्त राष्ट्र में ट्रंप प्रशासन के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने इस दावे को ऑनलाइन साझा करते हुए कहा कि ईरान आखिरकार वह मान रहा है जो सालों से साफ था। फ्लोरिडा के सीनेटर रिक स्कॉट ने भी इसे री-पोस्ट किया, और फॉक्स न्यूज ने भी इस फर्जी दावे को अपनी कवरेज में शामिल किया।

ईरान ने किया दावे को खंडन

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने इस वायरल पोस्ट को इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ झूठ की बाढ़ का एक उदाहरण बताकर पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए इस तरह के दावों के पीछे इजरायल का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिए दो दशकों से इसी तरह के झूठे आरोपों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ज्ञात हो कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर तीन दशकों से अंतरराष्ट्रीय जांच हो रही है, हालांकि तेहरान का हमेशा से यही कहना है कि यह केवल नागरिक उद्देश्यों के लिए है। यह परमाणु कार्यक्रम उन प्रमुख कारणों में से एक था जिसका हवाला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ अपने अभियानों को सही ठहराने के लिए देते हैं।

जैसे ही इस दावे की सच्चाई पर सवाल उठने लगे, माइक वाल्ट्ज की पोस्ट को बिना कोई स्पष्टीकरण दिए चुपचाप एक्स से हटा दिया गया। यह पूरी घटना इस बात को दर्शाती है कि कैसे एक अनजान अकाउंट द्वारा गढ़ा गया एक फर्जी बयान कुछ ही घंटों में सीमाओं और भाषाओं की बाधाओं को पार कर सकता है। इससे पहले कि कोई इसकी सत्यता को सत्यापित कर पाता, इसने सर्वोच्च स्तर पर राजनीतिक बयानबाजी की दिशा ही तय कर दी।

किम से दोस्ती, सियोल से दूरी; ट्रंप ने दक्षिण कोरिया संग युद्ध अभ्यास कम करने का दिया आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को पेंटागन को दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास को काफी हद तक कम करने का निर्देश दिया है। ट्रंप ने इसके पीछे ईरान के खिलाफ अमेरिकी प्रयासों में दक्षिण कोरिया के सहयोग से इनकार और उत्तर कोरिया को अभ्यासों से मिलने वाले कथित दुश्मनी भरे संकेत को वजह बताया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब उत्तर कोरिया ने फिर से बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण शुरू किए हैं और अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों को आक्रामक कार्रवाई की तैयारी करार दिया है। ट्रंप का रुख उनके उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ संबंध सुधारने और भविष्य में बातचीत फिर शुरू करने की इच्छा को भी दर्शाता है।

दक्षिण कोरिया के इनकार से नाराज हैं ट्रंप- ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने हाल ही में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति से ईरान को परमाणु-मुक्त करने की अमेरिकी कोशिशों में शामिल होने के लिए कहा था, और उन्होंने कहा, नहीं, धन्यवाद! अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि इस हफ्ते शुरू होने वाले अभ्यास न केवल महंगे हैं, बल्कि उत्तर कोरिया को पूरी तरह अनुचित और दुश्मनी भरा संकेत भी देते हैं। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस में उनके कार्यकाल के दौरान

उत्तर कोरिया का व्यवहार बिना किसी खतरे वाला और सम्मानजनक रहा है।

अभ्यास रद्द करने में देर, इसलिए कटौती का फैसला- ट्रंप ने लिखा, इसलिए, और इस तथ्य को देखते हुए कि इन्हें रद्द करने में अब बहुत देर हो चुकी है, मैंने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ को संयुक्त सैन्य अभ्यास को काफी हद तक कम करने का निर्देश दिया है! यह कदम इस बात का ताजा उदाहरण है कि राष्ट्रपति अपने सहयोगी देश के बजाय उस नेता का पक्ष ले रहे हैं, जिसे पिछली सरकारों ने दुश्मन माना था। ट्रंप और उनके प्रशासन के अन्य लोगों ने ईरान के खिलाफ उनकी लड़ाई में समर्थन की कमी को लेकर नाटो सहयोगियों की भी आलोचना की है, जबकि वे बाल्टिक क्षेत्र में तेजी से आक्रामक हो रहे रूस का सामना करने की कोशिश कर रहे हैं। 18,000 दक्षिण कोरियाई सैनिकों की भागीदारी वाले इन 11 दिवसीय अभ्यासों की योजना उत्तर कोरियाई खतरों के खिलाफ तैयारी को मजबूत करने के लिए बनाई गई थी। अमेरिकी सेना ने कहा है कि गर्मियों में होने वाले उल्ची फ्रीडम शील्ड अभ्यास क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गठबंधन की मुख्य भूमिका को मजबूत करते हैं और अपने देश की रक्षा के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया गणराज्य के बीच अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। अमेरिकी सेना के अनुसार, अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेनाओं को जटिल परिस्थितियों में संयुक्त अभियानों का अभ्यास करना था। इनमें संयुक्त सटीक लक्ष्य-भेदन और युद्धाभ्यास की जांच के लिए लाइव-फायर अभ्यास, वेट गैप क्रॉसिंग (पानी वाली बाधा पार करना) और पहले से तैनात सैन्य उपकरणों का वितरण शामिल था। यह संयुक्त प्रशिक्षण ऐसे समय में शुरू होने वाला है, जब उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण गतिविधियां फिर से शुरू कर दी हैं, जिन पर संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिबंध लगा रखा है। इस महीने की शुरुआत में दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान ने उत्तर कोरिया से कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण का पता लगाया था।

परमाणु और मिसाइल जखीरा बढ़ा रहा उत्तर कोरिया

2019 में ट्रंप के साथ किम की अहम बातचीत नाकाम होने के बाद से ही उत्तर कोरिया अपने परमाणु और मिसाइल हथियारों के जखीरे को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। जानकारों का मानना है कि किम को लगता है कि हथियारों का बड़ा जखीरा होने से भविष्य की बातचीत में अमेरिका से ज्यादा रियायतें हासिल करने की उनकी संभावना बढ़ जाएगी।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया की धमकी

शुक्रवार को उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ सख्त कदम उठाने की धमकी दी। उसने उनके सैन्य अभ्यासों को आक्रामक युद्ध की रिहर्सल बताया, जिससे इलाके में अस्थिरता बढ़ रही है। यह चेतावनी उसी तरह की सख्त बयानबाजी का हिस्सा थी, जो उत्तर कोरिया अक्सर अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बड़े सैन्य अभ्यासों से पहले करता है। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया अक्सर अपने विरोधियों के सैन्य अभ्यासों का बहाना बनाकर हथियारों के जखीरे को बढ़ाने के लिए परीक्षण गतिविधियां तेज करता है और अपने अलग-थलग नेता के लिए जनता का समर्थन जुटाता है।

रूस-यूक्रेन जंग में लक्ष्मी मित्तल की फैक्ट्री बनी निशाना- प्लांट पर मिसाइलों की बौछार; दो की मौत, उत्पादन ठप

मास्को/कीव , एजेंसी। यूरोप में जारी जंग के बीच रूस ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह में भारतीय मूल के अरबपति लक्ष्मी मित्तल की आर्सेलरमित्तल माइनिंग एंड मेटलर्जिकल कॉम्प्लेक्स पर मिसाइल हमला किया। यूक्रेन की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड स्टील यूनिट पर हुए इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 कर्मचारी घायल हुए हैं। मुख्य ऊर्जा और ब्लास्ट-फर्नेस ऑपरेशंस को नुकसान पहुंचने के बाद फैक्ट्री में उत्पादन आंशिक रूप से रोकना पड़ा। यह हमला यूक्रेन की ओर से रूस पर किए गए बड़े पैमाने के ड्रोन हमलों के जवाब में हुआ।

यूक्रेन ने रूस पर सैकड़ों ड्रोन से किया हमला- इससे पहले यूक्रेन ने रूस पर सैकड़ों ड्रोन से हमला किया था। इसे कीव की ओर से युद्ध के सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक बताया जा रहा है। इन हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हुई। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रे वोरोब्योव ने इसे हाल के समय के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक बताया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने रातभर देश के अलग-अलग हिस्सों में 822 यूक्रेनी ड्रोन को रोका।

मॉस्को में ड्रोन हमले से 83 वर्षीय व्यक्ति की मौत

वोरोब्योव ने बताया कि मॉस्को क्षेत्र में एक निजी घर पर यूक्रेनी ड्रोन के हमले में 83 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि एक अन्य यूक्रेनी हमले के कारण पोडोल्स्क शहर में वाइल्डबेरीज के गोदाम में आग लग गई।

रोस्तोव में भी ड्रोन हमले, पांच लोगों की मौत

स्थानीय गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने बताया कि एक अन्य ड्रोन हमले में रूस के दक्षिण-पश्चिमी रोस्तोव क्षेत्र के तीन शहरों को निशाना बनाया गया। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। 150 से अधिक ड्रोन से किए गए इस हमले में कई घरों और एक रेलवे स्टेशन को नुकसान पहुंचा, जबकि जंगल में भी आग लग गई।

युद्ध में खुल रहा नया मोर्चा

यूक्रेन ने इस साल रूस के खिलाफ अपने हमले तेज कर दिए हैं। लंबी दूरी की मिसाइलों और ड्रोन के झुंड के जरिए रूसी सैन्य उद्योगों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है। यूक्रेन ने लॉजिस्टिक्स कंपनी वाइल्डबेरीज के डिपो पर भी लगातार हमले किए हैं। इन हमलों में अरबों डॉलर का सामान जलकर खाक हो चुका है। ऐसे हमलों ने मॉस्को द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किए जाने के करीब साढ़े चार साल बाद युद्ध की आंच रूसी जनता के और करीब ला दी है।

फूड इंडस्ट्री में दें अपने भविष्य को उड़ान

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें न सिर्फ तरह-तरह के पकवान खाना अच्छा लगता है, बल्कि वे अच्छे स्वाद को भी भली-भांति पहचान लेते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्हें विशिष्ट प्रकार के व्यंजनों से विशिष्ट लगाव है तो आप अपने इसी लगाव को अपना भविष्य बना सकते हैं। फूड इंडस्ट्री में विकल्पों की भरमार है। लीक से हटकर यह कॅरियर बेहद दिलचस्प होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है। आइए फूड इंडस्ट्री में मौजूद विकल्पों के बारे में जानें।

फूड क्रिटिक

मार्केट में कौन-से नए फूड प्रोडक्ट आए हैं, इससे लेकर किस रेस्तरां में कौन-से स्वादिष्ट व्यंजन मिलते हैं, इसकी पूरी जानकारी अपनी राइटिंग स्किल के जरिए लोगों तक पहुंचाना फूड क्रिटिक का महत्वपूर्ण काम होता है। फूड क्रिटिक खाने के टेस्ट के साथ ही रेस्तरां की सर्विस के बारे में भी पूरी जानकारी देते हैं। फूड क्रिटिक बनने के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती लेकिन बैचलर डिग्री होनी जरूरी है। बशर्ते आपमें खाने का स्वाद पहचानने, उसे बनाने का तरीका जानने और लिखने की कला होनी चाहिए।

न्यूट्रीशनिस्ट

यदि आप फूड के बारे में वैज्ञानिक तौर पर काफी कुछ जानते हैं तो आप न्यूट्रीशनिस्ट बन सकते हैं। आपको यदि ज्यादा से ज्यादा फूड के बारें में जानकारी हैं कि कौन सा फूड कैसा असर करता है। मोटे होने के लिए क्या खाएं और पतले होने के लिए क्या खाएं। डायबीटिज में क्या खाना फायदेमंद है, हार्ट अटैक से बचने के लिए किन चीजों का सेवन करें या किन चीजों का ना करें, इस तरह की जानकारियां यदि आपकों अच्छी लगती हैं और आपकी इनमें गहरी रूचि है तो आप एक न्यूट्रीशनिस्ट के रूप में अपने कॅरियर को संवार सकतें है

फूड स्टाइलिस्ट

जितना खाने मे टेस्ट का होना जरूरी है, उतना ही खाने का बेहतर और क्रिएटिव दिखना भी जरूरी है। खाने को परोस कर देने का तरीका भी खाने को बेहतर बनाता है। अगर आप में यह स्किल है कि आप किसी भी तरीके के खाने को अच्छी तरह से सजाकर लोगों को उसकी ओर आकर्षित कर सकतें है तो आप फूड स्टाइलिस्ट बन सकतें है। इसकी भी काफी डिमांड है क्योंकि आजकल फाइव स्टार होटल और रेस्तरां में इनकी खासी कमी है। फूड स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना काफी जरूरी है।

कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट

सिर्फ फैशन की दुनिया में ही नहीं, बल्कि फूड इंडस्ट्री में भी ट्रेंड बदलते रहते हैं। कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट समय-समय पर फूड को लेकर ग्राहकों की बदलती पसंद या नापसंद की जानकारी अपने क्लाइंट तक पहुंचाते हैं। किस रेस्तरां में कौन-कौन से आइटम परोसे जा रहे हैं। किस रेस्तरां की किस खास चीज को लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ये सारी जानकारियां जुटाने का काम कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट का ही है। वे फूड इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों को जानने के लिए फूड ब्लॉगर्स पर भी अपनी नजर बनाए रखते हैं।

प्रमुख कोर्स

- केटरिंग टेक्नोलॉजी और कलिनरी ऑर्ट्स में बैचलर डिग्री
- फूड प्रोडक्शन में क्राफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स
- फूड और बेवरेज सर्विस में डिप्लोमा
- बेकरी और कनफेक्शनरी में डिप्लोमा
- किचन मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- गेस्ट सर्विस मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- हाउसकीपिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में एडवांस डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में एमएससी
- डाइअटेटिक्स और फूड सर्विस मैनेजमेंट में एमएससी

फूड फोटोग्राफर

जिन लोगो को खाना काफी पसंद है और वे कुछ क्रिएटिव करना चाहतें हैं तो वे इन चीजों के साथ फूड फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। फूड फोटोग्राफी वर्तमान में एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन बनकर सामने आया है, जिसकी ओर युवा काफी आकर्षित भी हैं। बतौर फूड फोटोग्राफर आप किसी भी रेस्तरां या मैगजीन के लिए काम कर सकते हैं।

रेस्तरां प्रचारक

किसी रेस्तरां या होटल को फूड ब्लॉगर, मीडिया हाउसेस, मैगजीन या टीवी शो प्रोड्यूसर के माध्यम से आम लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी रेस्तरां प्रचारक की होती है। इनका अहम मकसद ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी रेस्तरां की तरफ आकर्षित करना है।

स्कूल साइकोलॉजी की दुनिया में तराशें रोजगार

आजकल कुछ स्कूलों में मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। मनोविज्ञान अपनी पूर्णता में एक ऐसा क्षेत्र है, जहां करियर से जुड़े अनेक विकल्प हैं। स्कूल साइकोलॉजी इसकी महत्वपूर्ण शाखाओं में एक है। स्कूलों में बढ़ते अपराधों को देखते हुए अब स्कूल साइकोलॉजिस्ट की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कूल साइकोलॉजिस्ट किसी भी स्कूल की टीम के मुख्य सदस्य होते हैं, जो शैक्षिक मनोविज्ञान, बाल मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान और सामुदायिक मनोविज्ञान के सिद्धांतो का पालन कर छात्रों में सीखने की क्षमता और अध्यापकों में सिखाने की क्षमता का विकास करते हैं। स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के भावनात्मक, व्यवहारिक, और शैक्षिक जरूरतों का अध्ययन कर उनकी समस्याओं का हल करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। अगर आपकी रुचि बच्चों के मनोभाव को जानने और उनके डिप्रेशन को दूर करने की दिशा में है तो आप स्कूल साइकोलॉजिस्ट का कॅरियर चुन सकते हैं। आजकल बच्चे सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार होते हैं। यही वजह है कि इस क्षेत्र में कॅरियर की भरपूर संभावनाएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में आप साइकोलॉजिकल काउंसलिंग करके बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट के कार्य

- स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के विकास की विशेषताओं को समझने में शिक्षक की सहायता करता है।
- प्रत्येक छात्र विकास की कुछ निश्चित अवस्थाओं से गुजरता है जैसे शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था। विकास की दृष्टि से इन अवस्थाओं की विशिष्ट विशेषताएं होती हैं। यदि शिक्षक इन विभिन्न अवस्थाओं की विशेषताओं से परिचित होता है तो वह अपने छात्रों को भली प्रकार समझ सकता है और छात्रों को उसी प्रकार निर्देशन देकर उनको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकता है। इस बारे में पूर्ण जानकारी भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट ही टीचर को देता है।
- बच्चों के नेचर को जानने की कोशिश करता है।
- शिक्षा की प्रकृति एवं उद्देश्यों को समझने में सहायता प्रदान करता है।
- बच्चों की वृद्धि और विकास के बारे में शिक्षकों को ज्ञान देता है।

- बच्चों के अच्छे समायोजन में मदद करता है और कुसमायोजन से बचाता है।
- स्कूल मनोवैज्ञानिक कुछ खास बच्चों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी शिक्षक को देता है, जिससे शिक्षक उन बच्चों को अपनी क्लास में पहचान सकें और उनकी आवश्यकतानुसार मदद कर सकें। उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर सकें और फिर उन्हें परामर्श दे सकें।
- मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चों के लक्षणों को पहचानना और ऐसा प्रयास करना कि उनकी इस स्वस्थता को बनाए रखा जा सके, यह कार्य भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट का ही होता है।

शैक्षणिक योग्यता

आप किसी भी विषय में इंटरमीडिएट पास करने के बाद साइकोलॉजी विषय में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। आम तौर पर इसमें बैचलर ऑफ आर्ट्स यानी बीए की डिग्री दी जाती है लेकिन अगर आपने साइंस से इंटर पास किया है तो साइकोलॉजी में बीएससी ऑनर्स भी कर सकते हैं। फिर पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद पीएचडी या एमफिल किया जा सकता है।

कहां काम करते हैं स्कूल साइकोलॉजिस्ट

- पब्लिक और प्राइवेट स्कूल
- यूनिवर्सिटीज
- स्कूल आधारित स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र
- कम्यूनिटी आधारित डे ट्रीटमेंट या आवासीय क्लीनिक और अस्पताल
- बाल न्याय केंद्र
- प्राइवेट प्रैक्टिस

पर्सनल स्किल

- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल
- धैर्य और सहजता
- सभी उम्र के लोगों के साथ काम करने की कला
- आत्मविश्वास
- क्लाइंट को संतुष्ट करने की योग्यता
- लोगों की मदद करने का पैशन
- काम के प्रति लगाव
- संवेदनशीलता
- सहानुभूति की भावना

कहां से करें पढ़ाई

- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमन
- जीसस एंड मैरी कॉलेज
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- क्रिस्ट यूनिवर्सिटी, क्रिस्ट कॉलेज
- सोफिया कॉलेज फॉर विमन
- कमला नेहरु कॉलेज फॉर विमन
- मिठिबाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- गार्गी कॉलेज
- जय हिंद कॉलेज
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- ज्योति निवास कॉलेज
- विल्सन कॉलेज, मुंबई
- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
- आशुतोष कॉलेज
- नेयानल डिग्री कॉलेज, जया नगर
- भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

प्रेजेंटेशन स्किल्स से मिलेगी कामयाबी

प्रेजेंटेशन में सामने वाले को बोर नहीं, बल्कि इंप्रेस करें। तब आपको कामयाबी मिलेगी। सबसे असरदार कंटेंट भी बिल्कुल बेअसर हो जाता है, जब प्रेजेंटर का स्टाइल उसके अनुरूप न हो। कई लोग प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस हो जाते हैं, जिसका असर उनके बोलने और बॉडी लैंग्वेज पर पड़ता है। यही कुछ रुकावटें हैं, जिन पर काबू पाना जरूरी होता है। आत्मविश्वास बढ़ने के साथ-साथ यह कमियां दूर हो जाती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अभ्यास, लचीलापन और अपने कंटेंट की गहरी जानकारी बेहद जरूरी होती है।

कटेंट पर ध्यान दें

आपके पास पहले से रोचक, संपूर्ण और सबका ध्यान खींचने वाला कंटेंट होना चाहिए। साथ ही उस मैटेरियल को सबके सामने रखने का आत्मविश्वास भी जरूरी है। अपने माहौल की समझ के साथ-साथ आपको यह ध्यान रखना भी आवश्यक होता है कि आपके संदेश का असर अधिकाधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं अपने कंटेंट को तैयार करना इस पर भी निर्भर करता है कि आप किस किस्म की प्रेजेंटेशन देने जा रहे हैं। फिर भी जरूरी है कि आप मुख्य बिंदुओं की पहचान कर लें। यह जरूरी नहीं होता कि प्रत्येक डिटेल श्रोताओं के सामने रखी जाए।

स्टाइल पर ध्यान दें

प्रेजेंटर का स्टाइल ही एक अच्छे प्रेजेंटेशन के लिए जरूरी होता है। इसलिए अपनी स्टाइल और बात करने के तरीके पर खास ध्यान दें।

पूरी जानकारी दें

बेहतर प्रेजेंटेशन दर्शकों को विषय के बारे में अतिरिक्त जानकारी देती है, इसलिए जरूरी है कि विषय की आउटलाइन से शुरुआत की जाए। श्रोताओं को बताएं कि आप क्या विषय उठाना चाहते हैं, ताकि उनकी अपेक्षाएं शुरू में ही स्पष्ट हो जाएं। इससे विषय के प्रति कौतुहल भी बना रहता है।

उदाहरण से बनेगी बात

एक अन्य तथ्य यह है कि प्रेजेंटेशन की शुरुआत और अंत जोरदार तरीके से हो। यदि शुरुआत में आप श्रोताओं का ध्यान नहीं खींच पाते है तो यह आपके पक्ष में नहीं जाता। साथ ही बीच-बीच में रोचक उदाहरण देना भी जरूरी होते हैं।

सुनने वाले के बारे में जानें

आपको सुनने वालों के बारे में सबसे पहले पता लगाना चाहिए कि वे कौन हैं? इसके बाद यह जानना जरूरी होता है कि प्रेजेंटेशन से वे क्या चाहते हैं? उनके लिए क्या सूचना नई होगी और क्या पुरानी? क्या उनकी कुछ विशेष जरूरतें हैं, जिनका आपको ध्यान रखना चाहिए? इसके लिए जरूरी है कि अपनी प्रेजन्टेशन की आउटलाइन आपको स्पष्ट हो। दरअसल, आपको सुनने वाले यदि संतुष्ट होते हैं तो समझिए कि आपकी प्रेजेंटेशन सफल रही।

टीएचडीसी टनल रेस्क्यू अभियान पूरा, सभी प्रभावित श्रमिकों को बाहर निकाला

लगभग 117 घंटे चले अभियान में 12 श्रमिकों को सकुशल रेस्क्यू किया गया, 10 श्रमिकों की हुई दुःखद मृत्यु

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : हाट-सियासैंण, मायापुर (पीपलकोटी) चमोली में टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में 13 अगस्त 2026 की शाम पानी का रिसाव एवं भूस्खलन होने से हुए हादसे के बाद जिला प्रशासन की निगरानी में चलाया जा रहा खोज एवं बचाव अभियान मंगलवार को सफलता पूर्वक पूर्ण कर लिया गया। रेस्क्यू टीमों ने टनल में फंसे एवं लापता सभी प्रभावित श्रमिकों को बाहर निकाल लिया है। घटना के समय टनल में एचसीसी कंपनी द्वारा कार्य किया जा रहा था। पानी के रिसाव एवं भूस्खलन के कारण प्रारंभिक रूप से लगभग 22 कर्मचारियों के टनल में फंसे होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सेना, डीडीआरएफ, सीआईएसएफ, टीएचडीसी तथा अन्य संबंधित एजेंसियों की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और युद्धस्तर पर खोज एवं बचाव

अभियान शुरू किया। लगभग 117 घंटे से अधिक चले इस चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू अभियान के दौरान टनल से कुल 12 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकाला गया, जबकि 10 श्रमिकों की दुःखद मृत्यु हुई। अभियान के पहले दिन 19 श्रमिकों को बाहर निकाला गया, जिनमें 12 घायल श्रमिक तथा 7 मृत श्रमिक शामिल थे। इसके बाद 17 अगस्त को एक और रेस्क्यू अभियान के अंतिम दिन 18 अगस्त को दो श्रमिकों को बाहर निकालकर गया। रेस्क्यू अभियान के दौरान टनल के भीतर जमा पानी की निकासी, मलबा हटाने और फंसी मशीनरी को बाहर निकालने के साथ ही संभावित स्थानों पर लगातार सघन सर्च अभियान चलाया गया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू टीमों ने आधुनिक उपकरणों एवं उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए लगातार कार्य किया। पानी की निकासी के लिए सक्शन पंप सहित आवश्यक उपकरणों की मदद ली गई, जिससे टनल के अंदरूनी हिस्सों तक रेस्क्यू टीमों की पहुंच सुनिश्चित हो सकी। जिलाधिकारी गौरव कुमार द्वारा पूरे रेस्क्यू अभियान की लगातार निगरानी की गई। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं रेस्क्यू एजेंसियों से अभियान की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी टीमों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया। जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता टनल में फंसे एवं लापता श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालना थी। इसके लिए रेस्क्यू टीमों ने कठिन परिस्थितियों में दिन-रात लगातार कार्य किया।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि रेस्क्यू अभियान में आईटीबीपी जोशीमठ, आईटीबीपी गौचर, सेना जोशीमठ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, सीआईएसएफ, पुलिस, जिला प्रशासन एवं टीएचडीसी सहित संबंधित एजेंसियों की टीमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी एजेंसियों ने आपसी समन्वय, तत्परता और कठिन परिस्थितियों में लगातार रेस्क्यू एवं सर्च अभियान चलाया और सभी प्रभावित श्रमिकों को टनल से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अभियान के दौरान बाहर निकाले गए घायल एवं प्रभावित श्रमिकों को तत्काल आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई।

रेस्क्यू किए गए 12 श्रमिकों का विवरण

1. सुनील दीवान पुत्र संतोश दीवान, निवासी छत्तीसगढ़।
2. हारबिल गुड़िया पुत्र रेजन गुड़िया, निवासी तपरा।
3. कमड़ा, निवासी झारखंड।
4. निस्तर भिंगरा पुत्र राफेल भिंगरा, निवासी झारखंड।
5. विनोद रावना पुत्र तुनिया रावना, निवासी झारखंड।
6. दीना बेगरा पुत्र केला बेगरा, निवासी झारखंड।
7. खेला राम बिसरा पुत्र मोनसा बिसरा, निवासी झारखंड।
8. सुबेग सिंह पुत्र वीरा सिंह, निवासी पंजाब।
9. तिलकराज पुत्र बुद्धीराम, निवासी हिमाचल प्रदेश।
10. पेन सिंह पुत्र पीला सिंह, निवासी छत्तीसगढ़।
11. रोहित पाण्डे पुत्र अवधेश पाण्डे, निवासी बिहार।
12. गोविन्दो मंडाल पुत्र परीक्षित मंडाल, निवासी पश्चिम बंगाल।

मृतक श्रमिकों का विवरण

1. प्रदीप पंवार पुत्र अवतार सिंह, निवासी टिहरी गढ़वाल।
2. जितेन्द्र कुमार पुत्र राम चन्द्रा, निवासी उत्तर प्रदेश।
3. मुकेश सिंह पुत्र प्रेम सिंह, निवासी चमोली।
4. दुर्लभ शर्मा पुत्र भवानी राम शर्मा, निवासी उत्तर प्रदेश।
5. विजय हंसदा पुत्र राम चन्द्रा, निवासी उत्तर प्रदेश।
6. लोकेश्वर पुत्र सोन सिंह पोयम, निवासी छत्तीसगढ़।
7. भुनेश्वर पुत्र सुरेन्द्र कुमार, निवासी छत्तीसगढ़।
8. देवनाथ पुत्र धनसुराम बघेल, निवासी छत्तीसगढ़।
9. लुकास टोपनो पुत्र बासंसा टोपनो, निवासी झारखंड।
10. चेतन पोयाम पुत्र सोनधार पोयाम, निवासी छत्तीसगढ़।

संक्षिप्त समाचार

टाइप–वन के बंद और सील आवासों को लॉटरी से आवंटित करें

नई टिहरी। डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिला मुख्यालय में स्थित पूल्ड हाउस और नॉन–पूल्ड हाउसों की मरम्मत में आ रही समस्याओं के निस्तारण पर चर्चा की गई। बैठक में मोकरी कूड़ा स्थल में आ रही समस्याओं के समाधान करने पर विचार–विमर्श किया गया।डीएम ने कहा कि टाइप–वन के जितने भी आवास बंद और सील हैं उनका नियमानुसार लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया जाए। इसके अलावा पुनर्वास विभाग की जिन बिल्डिंगों की मरम्मत और ध्वस्तीकरण किया जाना है उनकी सूची तैयार कर जल्द प्रस्तुत करें। उन्होंने लोनिवि को रेवेन्यू और रेंट से संबंधित सूची भी तैयार करने के निर्देश दिए।मोकरी कूड़ा स्थल के संबंध में डीएम ने नगर पालिका के ईओ वासुदेव डंगवाल को निर्देश दिए कि सबसे पहले कूड़ा स्थल से लिगेसी वेस्ट हटाने की कार्रवाई की जाए। उसके पश्चात लोनिवि चंबा द्वारा वहां सुरक्षा दीवार का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए अधिशासी अभियंता लोनिवि चंबा को इस्टीमेट तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

सरकारी भूमि पर खुदान करने वाले को नोटिस जारी करने के आदेश

नई टिहरी। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की जिलास्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें भूस्खलन, पेयजल, सड़क, पशुधन और पुनर्वास से संबंधित विभिन्न प्रकरणों पर चर्चा के दौरान अधिकारियों को जरूरी दिशा–निर्देश दिए गए।कलेक्ट्रेट में डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में धनोल्टी के ग्राम उनियाल गांव और कद्दूखाल में हुए भूस्खलन के बाबत एसडीएम कमलेश मेहता ने बताया कि अधिकांश भूमि निजी है। सरकारी भूमि का एक छोटा सा हिस्सा है जिस पर एक व्यक्ति ने खुदान किया और भूमि में अस्थिरता की स्थिति पैदा हुई। डीएम ने संबंधित को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।ईई लोनिवि थत्यूड़ को प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट देने और भू–धंसाव रोकने के लिए जमीन की सुरक्षित व स्थिरता के कार्य कराने के निर्देश दिए। नई टिहरी सी–ब्लॉक में हुए भूस्खलन और जल संस्थान से संबंधित हर घर जल के प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। पीएमजीएसवाई के सतेगल मोटर मार्ग और जौनपुर क्षेत्र में मरोड़ा–बनाली–कुंड मोटर मार्ग के स्थायीकरण संबंधी कार्यों पर भी चर्चा की गई।

डायलिसिस सेवा शुरू करने के लिए बढ़े कदम

नई टिहरी। जिला अस्पताल बौराड़ी में डायलिसिस सुविधा शुरू होने की उम्मीद फिर जगी है। मरीजों की परेशानी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल में अपने स्तर से डायलिसिस सेवा शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए जिले के स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य महानिदेशालय को प्रस्ताव भेजा गया है।

जिला अस्पताल बौराड़ी में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध नहीं है। गुर्दे की बीमारी से पीड़ित मरीजों को डायलिसिस के लिए यहां से करीब 65 किलोमीटर दूर उप जिला अस्पताल नरेंद्रनगर या फिर ऋषिकेश जाना पड़ता है। बौराड़ी अस्पताल में डायलिसिस सेवा शुरू करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पहले हंस फाउंडेशन के सहयोग से पहल की थी। इसके तहत अस्पताल में डायलिसिस इकाई के लिए चार कक्ष भी तैयार किए गए थे।

टीबी जांच से वंचित लोगों की जल्द की जाए : डीएम

नई टिहरी। जिले में टीबी जांच की धीमी प्रगति वाले क्षेत्रों में अब जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा। डीएम नितिका खंडेलवाल ने जिला सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित स्वास्थ्य और मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को छूटे लोगों को भी जांच के दायरे में लाने के निर्देश दिए।गर्भवती महिलाओं की समय–समय पर निगरानी करने के लिए स्वास्थ्य विभाग वार रूम तैयार करेगा। डीएम ने विकासखंडवार स्वास्थ्य शिविरों और उनमें हो रही जांच की जानकारी ली। बैठक में सीएमओ डॉ. राम प्रकाश ने बताया गया कि 5 से 16 अगस्त तक जिले में 34 स्वास्थ्य शिविर लगाए गए जिनमें 3,085 एक्सरे जांच की गई। सीएमओ ने बताया कि उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की प्रभावी निगरानी के लिए वार रूम तैयार किया जा रहा है। बैठक में सीडीओ वरुणा अग्रवाल, एसीएमओ डॉ. निधि रावत, डॉ. अमलेश, सीएमएस डॉ. बृजेश डोभाल आदि मौजूद रहे।

रैसू शिव मंदिर में तांबे के बर्तन चोरी

पोखरी। चंद्रशिला पट्टी के कई गांवों के अराध्य देव रैसू महादेव मंदिर में तांबे के बर्तन चोरी हो गए हैं। मंदिर में इसी साल चोरी की यह दूसरी घटना है। इसको लेकर क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश है। रैसू महादेव शिवालय जंगल में स्थित है। ऐसे में यहां पर चोरों के लिए सामान चोरी करना आसान हो जाता है। मंदिर में भक्तों की ओर से चढ़ाए गए तांबे के लोटे व दूसरा सामान चोरी कर लिया

आज उत्तराखंड पहुंचेंगे उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

देहारदून। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन उत्तराखंड के दो दिन के दौरे पर बुधवार को देहरादून पहुंचेंगे। वह इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी देहरादून व लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) मसूरी में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उपराष्ट्रपति के दौरे के लिए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंधन किए हैं। 19 अगस्त को राष्ट्रपति इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) देहरादून में 2025–27 बैच के भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों से संवाद करेंगे।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के 19 और 20 अगस्त को प्रस्तावित दौरे को लेकर दून पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक–चौबंद कर दिया है।

वीवीआईपी कार्यक्रम के मद्देनजर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के साथ ही शहर की सीमाओं, आंतरिक मार्गों और कार्यक्रम स्थल के आसपास सघन चेकिंग शुरू कर दी गई है। सुरक्षा में तैनात पुलिस बल को पुलिस लाइन में ब्रीफिंग

देकर ड्यूटी के संबंध में जरूरी दिशा–निर्देश दिए गए।

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वी. मुरुगेशन, आईजी एसटीएफ नीलेश आनंद भरणे और आईजी गढ़वाल रेंज राजीव स्वरूप समेत अन्य अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। सभी जवानों को निर्धारित समय से तीन घंटे पहले ड्यूटी प्वाइंट पर पहुंचने और आसपास के क्षेत्र की बारीकी से जांच करने को कहा गया है। वीवीआईपी रूट पर पड़ने वाली हाईराइज इमारतों में रहने वाले लोगों का सत्यापन करने के साथ पानी की टंकियों, फ्लाईओवर और अन्य संवेदनशील स्थानों की बीडीएस व डॉग स्क्वॉड से जांच कराई जा रही है। वीवीआईपी से मिलने वाले लोगों पर भी सुरक्षा की दृष्टि से निगरानी रखी जाएगी। ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों के मोबाइल फोन इस्तेमाल करने और बिना सूचना ड्यूटी प्वाइंट छोड़ने पर भी रोक लगाई गई है।

दो दिन अलग–अलग समय पर रूट रहेंगे डायवर्ट

सुरक्षा के साथ यातायात व्यवस्था को लेकर भी पुलिस ने विस्तृत रूट प्लान जारी किया है। 19 अगस्त को दोपहर एक से 3:30 बजे तक, जबकि 20 अगस्त को सुबह 8:30 से 10:30 बजे और दोपहर 12 से तीन बजे तक जरूरत के अनुसार रूट डायवर्जन लागू रहेगा। ऋषिकेश से देहरादून आने वाले वाहनों को रानीपोखरी–भोगपुर–थानों–छह नंबर पुलिया–सहस्त्रधारा क्रॉसिंग होते हुए शहर में प्रवेश कराया जाएगा।

चीरबासा में पत्थर की चपेट में आने से महिला की मौत

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग पर मंगलवार को चीरबासा के पास पहाड़ी से अचानक गिरे पत्थर की चपेट में आने से एक महिला तीर्थयात्री की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे में एक अन्य यात्री भी घायल हुआ है। सूचना मिलने पर डीडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को तीर्थयात्री केदारनाथ धाम की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चीरबासा हेलिपैड के समीप अचानक पहाड़ी से बोल्डर और पत्थर नीचे आ गिरे। इसकी चपेट में आने से एक महिला यात्री गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पास में मौजूद एक अन्य यात्री भी पत्थर की चपेट में आकर घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डीडीआरएफ की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल यात्री को तत्काल गौरीकुंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां उसका उपचार किया जा रहा है। वहीं महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग लाया जा रहा है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि हादसे में अंजली (25) पत्नी सचिन कुमार निवासी बंजारेवाली गली शालीमार बाग हैदरपुर, नई दिल्ली की मौत हुई है जबकि शिदप्पा (34) निवासी नगराल गांव जिला मुदोल तालुक कर्नाटक घायल हुए हैं। वहीं घायल को डीडीआरएफ टीम ४२ गौरीकुंड चिकित्सालय पहुंचाया।

बेलनी में प्रस्तावित पुल के निर्माण के विरोध में प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग। बेलनी में प्रस्तावित नए पुल के निर्माण के विरोध में मंगलवार को भवन स्वामियों और व्यापारियों ने प्रदर्शन कर धरना दिया। प्रदर्शन को नगर पालिका अध्यक्ष संतोष रावत और सभी सभासदों ने भी समर्थन दिया।

लोगों ने कहा कि नए पुल के निर्माण से उनकी आजीविका और व्यापार प्रभावित होने के साथ ही वर्षों पुराने मकानों से भी विस्थापित होना पड़ेगा। स्थानीय लोगों ने प्रस्तावित नए पुल के बजाय पुराने पुल की ही मरम्मत कर उपयोग में लाने की मांग की।

स्थानीय व्यापारी दलवीर सिंह बर्त्वाल ने कहा कि उनका परिवार करीब 59 वर्षों से यहां रह रहा है और नए पुल की जद में भवन आने से उन्हें व्यापार व आजीविका के साथ विस्थापन की समस्या झेलनी पड़ेगी। कहा कि बदरीनाथ–केदारनाथ हाईवे से जोड़ने वाला नया पुल अगले महीने खुलने वाला है। ऐसे में कुछ दूरी पर एक और नए पुल के निर्माण की आवश्यकता पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। वहीं सभासद अंकुर खन्ना और सुरेंद्र रावत ने भी पुराने पुल को ही दुरुस्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बेलनी में प्रस्तावित पुल के बनने से 35 से अधिक परिवार सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में स्थानीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी से वार्ता की जाएगी। इस दौरान नगर व्यापार संघ अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बिष्ट, सभासद किरन पंवार, सभासद नरेंद्र रावत, विजयपाल सिंह जगवाण, अनीता बर्त्वाल आदि स्थानीय लोग व व्यापारी मौजूद रहे।

स्वारना नदी का जलस्तर बढ़ा

भारी बारिश के बीच जंगल में फंसे छह छात्र

देहरादून। भारी बारिश के कारण स्वारना नदी का जलस्तर बढ़ने से जंगल में फंसे यूपीईएस के छह छात्रों को एसडीआ एफ की टीम ने सकुशल रेस्क्यू कर लिया। छात्र ट्रैकिंग के लिए मिसरास पट्टी के थान गांव स्थित स्वारना नदी क्षेत्र में गए थे। वापस लौटते समय अचानक तेज बारिश होने से नदी का जलस्तर बढ़ गया और सभी छात्र जंगल में फंस गए।

छात्रों के फंसे होने की सूचना मिलने पर डाकपत्थर की रेस्क्यू टीम मौके के लिए रवाना हुई। दुर्गम क्षेत्र और नदी का जलस्तर बढ़ा होने के कारण रेस्क्यू टीम को करीब छह किलोमीटर पैदल ट्रैकिंग करनी पड़ी। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी छह छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला और जिला पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

रेस्क्यू किए गए सभी छात्र यूपीईएस के हैं और उनकी स्थिति सामान्य बताई गई है। एस डी आर एफ सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने बारिश के मौसम में पर्यटकों और छात्रों से

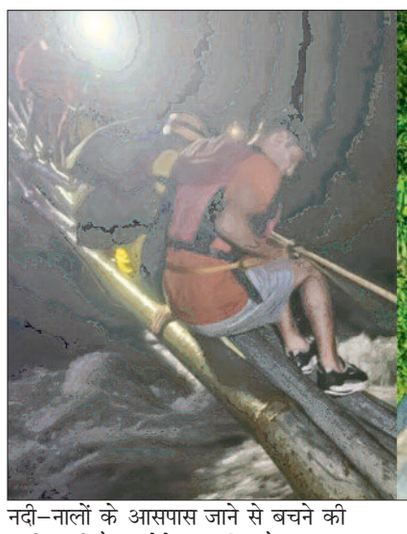

नदी–नालों के आसपास जाने से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मौसम का पूर्वानुमान देखने के बाद ही ट्रैकिंग या अन्य गतिविधियों के लिए निकलें।

नलगांव : पिंडरघाटी के 150 गांवों में दो दिन से बिजली गुल

भूस्खलन से दो खंभे बहे, बिजली लाइन क्षतिग्रस्त

नारायणबगड़/देवाल। पिंडरघाटी की बिजली मंगलवार को भी सुचारू नहीं हो पाई। सोमवार सुबह नलगांव के पास हुए भारी भूस्खलन से घाटी के तीनों ब्लॉकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। इससे नारायणबगड़, थराली और देवाल ब्लॉक की करीब एक लाख आबादी प्रभावित हुई है। 150 से अधिक ग्राम पंचायतें दो दिनों से अंधेरे में हैं। 33 केवी की हाईटेंशन लाइन क्षतिग्रस्त होने से यह समस्या हुई है। वहीं बिजली न होने से लोगों का व्यापार ठप पड़ा है। मोबाइल चार्जिंग और डिजिटल सेवाएं भी बंद हो गई हैं। सरकारी कामकाज भी प्रभावित हुआ है। ऊर्जा निगम के अवर अभियंता हेमंत चमोली ने बताया कि लगातार बारिश और पहाड़ी से गिरते पत्थरों के कारण मरम्मत कार्य जोखिम भरा है। अवर अभियंता देवेंद्र सिंह ने बताया कि नलगांव के पास बिजली के दो पोल और करीब 700 मीटर लंबी लाइन क्षतिग्रस्त हुई है। ऊर्जा निगम के कर्मी विपरीत परिस्थितियों में भी सुरक्षा का ध्यान

रखते हुए कार्य में जुटे हैं। जल्द आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

पंच केदार कल्पेश्वर मंदिर के ऊपर भूस्खलन

ज्योतिर्मठ। पंच केदार कल्पेश्वर मंदिर के पीछे सोमवार रात को भारी भूस्खलन हो गया। मलबे से मंदिर परिसर, पुजारी कक्ष और स्टोर भी दब गया। गनीमत रही रात में यहां कोई नहीं रुकता और मंदिर भी पूरी तरह से सुरक्षित है। मगर स्टोर में रखा लाखों का सामान बरबाद हो गया। इसके साथ ही हवन कुंड को भी नुकसान पहुंचा है। मंदिर समिति के लोगों ने एकजुट होकर मलबा हटाया।

विकासखंड ज्योतिर्मठ के अंतर्गत उर्गम घाटी में पंच केदार महादेव का मंदिर स्थित है। सोमवार रात को भारी बारिश के दौरान मंदिर के ऊपरी क्षेत्र से भूस्खलन शुरू हो गया। मलबे में मिट्टी अधिक है। मंदिर परिसर, भागमंडी, पुजारी कक्ष पूरी तरह से मलबे में दब गए। मंदिर के पुजारी दरबान सिंह नेगी ने बताया कि मलबे से मंदिर परिसर व आस–पास काफी नुकसान हुआ है। पैदल रास्ते व रेलिंग क्षतिग्रस्त हुई हैं। घटना की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग कल्पेश्वर पहुंचे। मंदिर समिति के लोगों व स्थानीय लोगों ने मंदिर तक आवाजाही के लिए रास्ता तैयार किया लेकिन आसपास के क्षेत्र में मलबा काफी अधिक है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले का संज्ञान लेने की मांग की।

बारिश से ढहा वर्षों पुराना श्रीकृष्ण मंदिर

बसुकेदार। क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बारिश के बीच ग्राम सभा नैनी पोंडार में वर्षों पुराना श्रीकृष्ण मंदिर ढह गया।

ग्रामीणों के अनुसार मंदिर में हर वर्ष कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर मेले का आयोजन होता था। इस बार भी आयोजन की तैयारियां होनी थीं लेकिन पर्व से पहले मंदिर के ढह जाने से ग्रामीणों में मायूसी है। ग्राम प्रधान नीतू देवी, मदन सिंह चौहान और मातवर सिंह बिष्ट ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि वर्षों पुराने आस्था के केंद्र का इस तरह ढहना बेहद पीड़ादायक है।

अत्याधुनिक रडार से तमक नाले में संभावित स्थानों की हो रही गहन जांच

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : ज्योतिर्मठ तहसील क्षेत्र के ग्राम लोंग सेगड़ी के समीप तमक नाले में अतिवृष्टि के कारण आए तेज पानी एवं मलबे की चपेट में आए हवलदार पंकज की तलाश में जिला प्रशासन के निर्देशन में युद्धस्तर पर रेस्क्यू एवं सर्च अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सीमा सड़क संगठन एवं गढ़वाल राइफल्स सहित विभिन्न रेस्क्यू टीमें मौके पर तैनात हैं और लापता व्यक्ति की तलाश के लिए नाले के आसपास हर संभावित स्थान को बारीकी से खंगाला जा रहा है। प्रशासन की प्राथमिकता लापता व्यक्ति की जल्द से जल्द तलाश करना है। तमक नाले से लेकर नदी के किनारों तक हर संभावित स्थान पर सघन खोजबीन जारी है और रेस्क्यू एवं सर्च अभियान लगातार चलाया जा रहा है। घटना में सीमा सड़क संगठन की 123 इकाई में तैनात चालक पंकज तेज बहाव की चपेट में

आने के बाद लापता हो गए। उनकी तलाश में रेस्क्यू टीमें नाले के आसपास मलबे, जलधाराओं, नदी के किनारों तथा अन्य संभावित स्थानों पर लगातार सर्चिंग कर रही हैं। लापता व्यक्ति की तलाश में तीन एक्सकेवेटर, गढ़वाल राइफल्स, 123 इकाई के 50 से अधिक जवान लगातार जुटे हुए हैं। इसके अलावा दो सर्च एंड रेस्क्यू डॉग, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें भी अभियान में सक्रिय हैं। दुर्गम एवं ऊबड़-खाबड़ क्षेत्रों में संभावित स्थानों की निगरानी और सर्चिंग के लिए ड्रोन की भी सहायता ली जा रही है। रेस्क्यू अभियान के दौरान भारी बोल्डरों एवं मलबे को एक्सकेवेटर की मदद से हटाया जा रहा है, ताकि इनके नीचे अथवा आसपास किसी भी संभावित स्थान की गहनता से जांच की जा सके। आधुनिक सर्च एवं डिटेक्शन उपकरणों की मदद से भी संभावित स्थानों की जांच की जा रही है। वहीं, नाले से आगे नदी के किनारों पर भी सर्चिंग का दायरा बढ़ाते हुए दोनों ओर व्यवस्थित तरीके से खोजबीन की जा रही है। अभियान में संभावित सभी स्थानों को चिन्हित कर क्रमवार सर्चिंग की जा रही है, ताकि कोई भी स्थान जांच से छूट न जाए। भारी मलबे को हटाने के साथ-साथ तकनीकी उपकरणों और प्रशिक्षित सर्च टीमों की मदद से भी लगातार खोज अभियान चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा पूरे रेस्क्यू अभियान की लगातार निगरानी की जा रही है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

जोदर चौथे दौर में पहुंचे, अल्काराज और शेल्टन की बराबरी

मेसन, ओहायो (एजेंसी)। 19 वर्षीय स्पेनिश टेनिस स्टार जोदर ने सिनसिनाटी ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए एलेजांद्रो टैबिलो को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराकर चौथे दौर में जगह बना ली। इस जीत के साथ उन्होंने इस दशक में सिनसिनाटी के राउंड ऑफ-16 में पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज और बेन शेल्टन जैसे खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम शामिल कर लिया। जोडर ने अपने शुरुआती मुकाबले में डेनिस शापोवालोव के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए मैच प्वाइंट बचाया था। निर्णायक सेट में वह 1-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया था। इस जीत ने जोदर का

आत्मविश्वास बढ़ाया और टैबिलो के खिलाफ उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। स्पेनिश खिलाड़ी ने सिर्फ 75 मिनट में मुकाबला खत्म किया और कुल 26 विनर्स लगाए। टैबिलो के खिलाफ यह जोदर की लगातार दूसरी जीत भी रही। इससे उनकी इस खिलाड़ी के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 हो गया। इससे पहले उन्होंने करीब 15 दिन पहले वॉशिंगटन में भी चिली के इस खिलाड़ी को हराया था। जोडर ने मैच के बाद अपनी शानदार वापसी का जिक्र करते हुए कहा कि शापोवालोव के खिलाफ मुकाबले ने उन्हें काफी आत्मविश्वास दिया। उन्होंने कहा कि उस मैच में उन्होंने खुद को अपनी सीमा तक धकेला और जीत हासिल करने के लिए काफी मेहनत की। जोदर ने यह भी माना कि भले ही टैबिलो के खिलाफ स्कोरलाइन आसान नजर आ रही हो, लेकिन मुकाबला बिल्कुल आसान नहीं था।

उन्नति की शानदार जीत, रोहन-रुथविका पहले दौर में बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा ने मंगलवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। डेब्यू मुकाबले में उन्नति ने म्यांमार की थेत हत्तार थुजार को सीधे गेमों में 22-20, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। उन्नति और थुजार ने लगातार अंक बटोरे और किसी भी खिलाड़ी को बड़ी बढ़त नहीं लेने दी। 21 मिनट तक चले रोमांचक गेम में उन्नति ने दबाव के बीच धैर्य बनाए रखा और 22-20 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भारतीय शटलर ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्नति ने एक समय 11-1 की बड़ी बढ़त बना ली। हालांकि थुजार ने वापसी करते हुए अंतर को 20-16 तक कम किया, लेकिन उन्नति ने अपना संयम नहीं खोया और लगातार बेहतर खेल दिखाते हुए गेम 21-16 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब उनका सामना कनाडा की 13वीं वरीयता प्राप्त मिशेल ली से होगा। दूसरी ओर, मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की भारतीय जोड़ी को कनाडा के जोनाथन लाई और क्रिस्टल लाई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप अभियान शुरुआती दौर में ही समाप्त हो गया। भारत के लिए मंगलवार को कई और अहम मुकाबले होने हैं। लक्ष्य सेन पुरुष एकल के पहले दौर में ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स फिलिमोन से भिड़ेंगे। वहीं, अशित सूर्य और अमृता प्रमुथेश की जोड़ी का सामना तुर्की के एमरे सोनेमेज और यासेमेन बेक्टास से होगा। महिला युगल के दूसरे दौर में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका की लॉरेन लैम और एलिसन ली से खेलेगी।

हैमिल्टन-कर्दाशियन की बढ़ीं नजदीकियां!

हॉलीवुड और स्पोर्ट्स की दुनिया के दो बड़े नाम किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दोनों के बीच लंबे समय से चल रही रोमांस की अटकलों के बीच अब उनकी समर वेकेशन की तस्वीरों ने फैंस को फिर चर्चा का मौका दे दिया है। किम ने इंस्टाग्राम पर अपनी फैमिली वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं।इनमें सबसे ज्यादा ध्यान उस तस्वीर ने खींचा, जिसमें वह लुईस हैमिल्टन के साथ बीच पर टहलती नजर आ रही हैं। तस्वीर में हैमिल्टन ने किम के कंधे पर हाथ रखा हुआ है, जबकि किम उनका हाथ पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। किम ने पोस्ट को कैप्शन दिया- Somewhere over the rainbow यानी इंद्रधनुष के उस पार कहीं।

मिरर सेल्फी ने खींचा फैंस का ध्यान

किम की पोस्ट में सिर्फ बीच वॉक ही नहीं थी। उन्होंने हैमिल्टन के साथ एक कोजी मिरर सेल्फी भी शेयर की। इसके अलावा पोस्ट में उनके बच्चों के साथ बिताए गए छुट्टियों के पल भी नजर आए। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान एक बार फिर किम और हैमिल्टन की केमिस्ट्री पर गया। दोनों ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर सार्वजनिक तौर पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन हाल के महीनों में साथ नजर आने की उनकी तस्वीरें और सोशल मीडिया पोस्ट लगातार इन अटकलों को हवा दे रहे हैं।

हैमिल्टन ने भी शेयर की छुट्टियों की झलक

किम की पोस्ट से कुछ समय पहले लुईस हैमिल्टन ने भी अपनी समर वेकेशन की तस्वीरें साझा की थीं। उनकी पोस्ट में किम की एक तस्वीर भी शामिल थी, जिसमें वह एक झूले पर बैठी नजर आ रही थीं और हैमिल्टन उन्हें पीछे से धक्का देते दिखे। हैमिल्टन ने अपनी पोस्ट के साथ लिखा, 'मेरी गर्मियों की छुट्टियों की बस कुछ झलकियां। इन छुट्टियों के दिनों के लिए आभारी हूं। अब ट्रैक पर वापस लौट रहा हूं, पूरी तरह तरोताजा और तैयार हूं।' उनकी इस पोस्ट ने भी दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं को और दिलचस्प बना दिया।

डेविड वॉर्नर दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई दो सजा

सिडनी(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्टार बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने का दोषी पाया गया है. जिसकी वजह से कोर्ट ने उन पर जुर्माना लगाने के साथ साथ उन्हें गाड़ी चलाने के लिए इंटरलॉक डिवाइस का इस्तेमाल करना का भी आदेश दिया।सिडनी की एक अदालत ने डेविड वॉर्नर के अपना गुनाह कबूल करने के बाद उन्हें सजा सुनाई है. वॉर्नर पर 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (1,01,912 इंडियन रुपये) का जुर्माना लगाया गया।

बता दें कि 5 अप्रैल को सिडनी के पूर्वी इलाके में सड़क किनारे हो रहे रैंडम ब्रेथ टेस्ट में वॉर्नर पर कानूनी सीमा से दोगुने से ज्यादा अल्कोहल पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगा था. पिछले महीने, वॉर्नर ने सिडनी की अदालत में ड्रिंक-ड्राइविंग के आरोप को स्वीकार भी कर लिया था।कोर्ट में सुनवाई के दौरान डेविड वॉर्नर के वकील ओवैस अहमद ने अदालत से उन्हें दोषी न ठहराने का अनुरोध किया. उन्होंने कहा कि वॉर्नर की गलती को दुनिया भर के मीडिया ने कवर किया था, जिससे उनके फाइनेंशियल कॉन्ट्रैक्ट्स को नुकसान पहुंचा है।वॉर्नर को तब गिरफ्तार किया गया था जब वह पाकिस्तान से ईस्टर की छुट्टी पर घर लौट रहे थे. पाकिस्तान में उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स की कप्तानी की थी. हालांकि, आरोप लगने के बाद वह अपना पीएसएल अभियान जारी रखने के लिए पाकिस्तान लौट गए थे। अवैस ने अपराध की मामूली प्रकृति को देखते हुए वॉर्नर की गिरफ्तारी के बारे में प्रेस रिलीज जारी करने के पुलिस के फैसले पर भी सवाल उठाए. वकील ने कहा, इसके बाद मीडिया की तरफ से बहुत ज्यादा आलोचना हुई।जज क्लेयर फार्नन ने कहा कि वॉर्नर और उनकी पत्नी कैंडिस वॉर्नर के बारे में सोशल मीडिया पर क्रूर टिप्पणियां किए जाने के सबूत थे. लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें दोषी ठहराने के फैसले में सबसे अहम बात लोगों को शराब पीकर गाड़ी चलाने से रोकना था, और अपराध इसलिए और गंभीर हो गया क्योंकि उस समय कार में बच्चे भी मौजूद थे।

भारत की दूसरी पारी 193 रनों पर सिमटी श्रीलंका को मिला 372 रनों का लक्ष्य

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन भारत की दूसरी पारी को 193 रनों पर समेट दिया है. जिसकी वजह से अब उन्हें ये मैच जीतने के लिए 372 रन बनाने होंगे. भारत की तरफ से दूसरी पारी में ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए. जबकि पडिक्कल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रनों का योगदान दिया. इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका. वहीं श्रीलंका की तरफ से असिथा फर्नांडो सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने कुल 4 विकेट लिए. इसके अलावा प्रभात जयसूर्या ने तीन विकेट हासिल किया. जबकि लहिरू कुमार को दो विकेट और केशरा को एक विकेट मिला. भारत को पहली पारी में 178 रनों की बड़ी बढ़त मिली थी. मेजबान टीम ने पहली पारी में 284 रन बनाए थे जबकि भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे।

श्रीलंका की खराब शुरुआत

372 रनो के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने अपना पहला विकेट 13 के स्कोर पर खो दिया है. निशान मदुष्का 27 गेंद में 6 रन बनाकर आउट हुए. उनको मोहम्मद सिराज ने प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच आउट कराया. इसके बाद दांए हाथ से बल्लेबाज पसिंदु सोरियाबंडारा क्रीज पर आए, जिनको चांडीमल की जगह कन्कशन के तौर पर रिप्लेस किया गया था. ये सोरियाबंदरा का पहला टेस्ट मैच है. लेकिन वो ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके और शून्य पर आउट हो गए. उनको मानव सुथार ने एलबीडब्ल्यू आउट किया. इसके साथ श्रीलंका ने 14 के स्कोर पर अपना दूसरा विकेट भी खो दिया।

श्रीलंका ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन भारत की दूसरी पारी को 193 रनों पर समेट दिया. श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे. इसके अलावा स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने तीन, लहिरू कुमार ने दो और केशरा को एक विकेट मिला. वहीं भारत की तरफ से दूसरी पारी में ऋषभ पंत सबसे ज्यादा 66 रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. जबकि पडिक्कल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रनों का योगदान दिया. इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका. अब श्रीलंका को ये मैच जीतने के लिए 372 रन बनाने होंगे।

श्रीलंका को लगा बड़ा झटका, चंडीमल को ले जाया गया अस्पताल

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका को एक बड़ा झटका लगा, जब उनका अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चंडीमल फील्डिंग के दौरान कंधे और गर्दन में गंभीर चोट आई, जिसकी वजह से उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा. इसके बाद चंडीमल को स्कैन के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, मैदान पर टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और डॉक्टर ने उनकी जांच की और एहतियात के तौर पर स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है. साथ ही कहा कि स्कैन के नतीजे आने के बाद आगे की जानकारी दी जाएगी। जब भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ स्वीप शॉट खेला, जहां चंडीमल बाईं ओर से दौड़कर आए और बाउंड्री रोकने के प्रयास में डाइव करते हुए गेंद को रोक दिया. डाइव करते समय उनके शरीर का पूरा वजन उनकी गर्दन पर आ गया. मैच के दौरान चंडीमल अपनी गर्दन के पिछले हिस्से को पकड़े हुए दिखे. मैदान से बाहर ले जाए जाने से पहले फिजियो ने आकर उन्हें देखा।

विश्व कप हॉकी

भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला

एम्सटेलवीन (नीदरलैंड) (एजेंसी)। पिछले एक दशक से पाकिस्तान से नहीं हारी भारतीय टीम को एफआईएच विश्व कप के दूसरे दौर में प्रवेश के लिए अपने डिफेंस को दुरूस्त करते हुए बुधवार को होने वाले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी को हराना होगा या कम से कम ड्रॉ खेलना होगा। पहले मैच में वेल्स को 3-1 से हराने के बाद दुनिया की तीसरे नंबर की टीम इंग्लैंड के खिलाफ भारत को डिफेंस की गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा।

पहले हाफ में बढ़त बनाने के बावजूद आखिरी दो क्वार्टर में लचर डिफेंस के कारण भारत को 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी। अब पूल डी में इंग्लैंड दोनों मैच जीत कर शीर्ष पर रहकर दूसरे दौर में पहुंच चुका है। वहीं भारत के एक जीत और एक हार के बाद तीन अंक है जबकि इंग्लैंड से 1-4 से हारने और वेल्स से 3-3 से ड्रॉ के बाद पाकिस्तान एक अंक लेकर तीसरे और वेल्स एक हार, एक ड्रॉ के साथ एक अंक लेकर चौथे स्थान पर है।

पाकिस्तान अगर हारता है तो बाहर हो जाएगा जबकि वेल्स को अगले दौर में जाने के लिए इंग्लैंड को काफी बड़े अंतर से हराना होगा क्योंकि भारत का गोल औसत उससे बेहतर है। अगर भारत दूसरे दौर में जाता है तो इस पूल से

उसके कोई अंक आगे नहीं जाएंगे जबकि भारत को हराने के कारण इंग्लैंड तीन अंक लेकर जाएगा। आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन भारत और चार बार की विश्व कप विजेता पाकिस्तान के बीच भले ही मैदानी प्रतिद्वंद्विता का गौरवशाली इतिहास रहा हो लेकिन एशियाई दिग्गजों के बीच पिछले लगभग सभी मुकाबले बेमेल रहने से वह रोमांच खत्म हो गया है।

मौजूदा फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा भारी लग रहा है लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मैच सिर्फ कौशल का नहीं होता, खिलाड़ियों को जज्बात पर काबू रखकर भी खेलना होगा। भारतीय टीम ने हालांकि विश्व कप से ठीक पहले लंदन में प्रो लीग के यूरोप चरण में पाकिस्तान पर 7-1 और 4-3 से जीत दर्ज की थी। पाकिस्तानी टीम ने आखिरी बाद भारत को 2016 चैम्पियंस ट्रॉफी में हराया था। उसके बाद से भारत और पाकिस्तान के प्रदर्शन ग्राफ में जमीन आसमान का अंतर आ गया है। भारतीय टीम लगातार दो ओलंपिक पदक जीत चुकी है जबकि विश्व कप की सबसे सफल टीम रही चार बार की चैम्पियन पाकिस्तान टूर्नामेंट में आठ साल बाद लौटी है। एफआईएच प्रो लीग में सारे मैच हारकर आखिरी स्थान पर रही थी और टूर्नामेंट से ठीक पहले कोच हरमान क्रूस के लौट जाने से तैयारियों पर भी असर पड़ा है। भारत के लिए 419 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके सबसे अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने हालांकि कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हलके में नहीं लिया जा सकता और भारत को गलतियों में सुधार करके उतरना होगा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान से मैच अच्छा होगा लेकिन हम उन्हें कमतर नहीं आंक रहे हैं। उनके पास भी अच्छे ड्रैग फ्लिकर हैं लिहाजा हमें उन्हें पेनल्टी कॉर्नर देने से बचना होगा। इसके अलावा अपने लिए मौके बनाने होंगे और उन्हें भुनाना भी होगा।

100 छक्के, सबसे तेज

पंत ने टेस्ट में रचा इतिहास, गेंद हो या पारी, सब में गिलक्रिस्ट को पछाड़

गॉल, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जब भारत दबाव में था, तब ऋषभ पंत ने अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में लंबे समय तक याद रखा जाएगा। पंत ने 69 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 66 रन बनाए और इसी दौरान टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए।

पंत ने यह मुकाम अपनी 89वीं टेस्ट पारी में हासिल किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा, जिन्होंने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। पंत से पहले सिर्फ तीन बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 100 या उससे ज्यादा छक्के लगा पाए थे। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स 138 छक्कों के साथ इस सूची में सबसे ऊपर हैं, जबकि न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम 107 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गिलक्रिस्ट के नाम भी 100 छक्के हैं।

पहले टेस्ट में बदला अंदाज, दूसरी पारी में बरसे पंत

इस मुकाबले में पंत की बल्लेबाजी को लेकर पहले से चर्चा थी। उनकी आक्रामक शैली अक्सर क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच बहस का विषय रहती है। पहली पारी में उन्होंने 62 गेंदों पर 39 रन बनाए थे, जो उनके सामान्य आक्रामक अंदाज की तुलना में काफी संयमित पारी थी।लेकिन दूसरी पारी में भारतीय टीम को तेजी से रन जोड़ने की जरूरत थी। कप्तान शुभमन गिल के आठ रन पर आउट होने के बाद पंत 81/3 के स्कोर पर क्रीज पर आए। शुरुआत में उन्होंने थोड़ा समय लिया और अपनी पहली बाउंड्री 13वीं गेंद पर लगाई।इसके बाद उन्होंने लाहिरू कुमारा को निशाना बनाया। कुमारा की वापसी पर पंत ने एक जोरदार छक्का लगाया, जिसके बाद गेंद स्टेडियम से बाहर चली गई और अंपायरों को नई गेंद मंगानी पड़ी। यही पंत के 100वें टेस्ट छक्के की शुरुआत थी।लंच के आसपास भारत ने देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल के विकेट गंवाए, लेकिन पंत ने अपना गियर बदल दिया। उन्होंने ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा के एक ओवर में लगातार तीन चौके लगाए। अगले ही ओवर में उन्होंने कुमारा को फिर छक्का जड़कर अपने 100 टेस्ट छक्के पूरे कर लिए।इसके बाद पंत ने कुछ बेहद आक्रामक और अपने खास अंदाज वाले शॉट खेले। हालांकि वह 66 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन तब तक वह इतिहास में अपना नाम दर्ज करा चुके थे।

89 पारियों में कर दिखाया ये कमाल

पंत की इस उपलब्धि की खास बात सिर्फ 100 छक्के पूरे करना नहीं है, बल्कि जिस तेजी से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया, वह इसे और खास बनाता है। पंत ने केवल 89 टेस्ट पारियों में 100 छक्के पूरे किए। इस मामले में गिलक्रिस्ट को 130 पारियां लगी थीं, जबकि बेन स्टोक्स ने 151 और ब्रेंडन मैकुलम ने 170 पारियों में 100 छक्के पूरे किए थे। यानी पंत ने गिलक्रिस्ट से 41 पारियां कम खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। पंत ने सिर्फ पारियों के मामले में ही नहीं, बल्कि गेंदों के मामले में भी यह रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 100 छक्के लगाने के लिए 4,918 गेंदों का सामना किया। गिलक्रिस्ट को इसके लिए 6,578, स्टोक्स को 9,042 और मैकुलम को 9,756 गेंदें खेलनी पड़ी थीं।

टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के

बल्लेबाज	छक्के
बेन स्टोक्स	138
ब्रेंडन मैकुलम	107
ऋषभ पंत	100*
एडम गिलक्रिस्ट	100
टिम साउदी	98

सबसे तेज 100 टेस्ट छक्के

बल्लेबाज	पारी
ऋषभ पंत	89
एडम गिलक्रिस्ट	130
बेन स्टोक्स	151
ब्रेंडन मैकुलम	170